राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 12 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-319 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत के सचिन रेलवे पर अग्रेज़ी शराब के मेमू ट्रेन के अंदर हेर-फेर

आमजनता सफर करने वाले को हो रही परेशानी

सूरत के हुनर हाट में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा

क्रांति समय,सूरत

सूरत के वनिता विश्राम ग्राउंड में हुनर हाट का आयोजन किया गया। उद्घाटन कल राज्यपाल

की मौजूदगी में होगा। यह तिथि 11 जनवरी से 20 जनवरी तक चलेगी। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि देश के कौशल के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए काम किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी, उद्योग से जुड़े लोगों को सरकार द्वारा बहुत राहत दी गई थी। उनकी आर्थिक मदद कर उस समय भी उनके व्यवसाय को जारी रखने का प्रयास किया गया। हुनर हाट में 7 लाख लोगों को रोजगार मिला है। सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक परामर्श से जुड़े अधिकारियों और अधिकारियों ने 20 और 21 जनवरी को गुजरात के कच्छ के रणोत्सव में बैठक की घोषणा की।

हुनर हाट को मिला एक मंच

विश्वकर्मा विरासत को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। सूरत के बाद दिल्ली, मैसूर, हैदराबाद, पटना, जयपुर, आने वाले दिनों में आज हुनर हाट का आयोजन किया जाएगा। इस तरह की योजना से उन्हें काफी आजीविका मिलती है इसलिए सरकार इस दिशा में काम कर रही है। कोरोना में उद्योग धराशायी कोरोना के दौरान उद्योग को भारी नुकसान हुआ। फिर भी हम उनके संपर्क में रहे और उन्हें अपना प्रोडक्शन शुरू करने के लिए कहा गया। जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ। हमने 2,000 से अधिक लोगों से संपर्क कर उनकी आर्थिक मदद भी की। कोरोना के दौरान लॉकडाउन की स्थिति में उद्योग लगभग चरमरा गया।

वक्फ मुद्दों पर बयान

उत्तर प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में नेता विवादित बयान दे रहे हैं. उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम द्वारा जाने-माने टोपी पहनने वालों के बारे में दिए गए बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बड़ी चतुराई से सबके लिए विकास की बात कर रही है. इस तरह के जवाब से बचा गया। वक्फ बोर्ड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा,

'वक्फ बोर्ड की संपत्ति से माफियाओं को हटाया जा रहा है.

सूरत में एक पीएसआई समेत दो लोगों को उसके पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया

सूरत के उमरा महिला पुलिस थाने ने उसके पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के एवज में 10 हजार रूपये की मांग की थी. रिश्वत मांगने वाला PSI

दो गरमागरम बहसों का विषय रहा है। इतना ही नहीं एसीबी ने रिश्वत में ली गई नकद राशि को भी जब्त कर लिया है।

महिला ने एसीबी से गुहार लगाई एसीबी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए महिला थाने में आवेदन किया था. आवेदन की जांच पीएसआई कर रही थी। पीएसआई ने एक वकील के जरिए पति के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए 10 हजार रूपये की मांग की थी।शिकायतकर्ता बहन रिश्वत नहीं देना चाहती थी। 10/12/2021 को डीएम वसावा, पुलिस निरीक्षक, वलसाड और डांग एसीबी पो. स्टे। वलसाड से संपर्क किया गया और सभी तथ्यों को बताते हुए शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपी को रंगेहाथ पकड़ा गया।वादी की शिकायत के आधार पर रिश्वत का जाल बिछाया गया। दोनों आरोपियों को एसीबीए ने हिरासत में लिया है और आगे की कार्रवाई की गई है।ट्रैपिंग अधिकारी डीएम वसावा, थाना प्रभारी, वलसाड और डांग एसीबी। पीओ.स्टी. वलसाड जबकि केआर सक्सेना, पो.इन. वलसाड और डांग एसीबी। पीओ.स्टी. वलसाड और ए.सी.बी. स्टाफ मैन थे। एनपी गोहिल सहायक दृष्टि अधिकारी, सहायक निदेशक, एसीबी के रूप में सूरत इकाई, था।

अभियुक्त(1) कमलाबेन रंजीतभाई गामित, थाना प्रभारी, महिला पुलिस स्टेशन, सूरत शहर, वर्ग-3

(2)पंकजभाई रमेशभाई मकोडे, अधिवक्ता (निजी व्यक्ति)

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

संपादकीय

लोकतंत्र के लिए

लोकतंत्र एक कठिन मार्ग है, लेकिन उस पर चलने की पैरोकारी की हर कोशिश का स्वागत होना चाहिए। दुनिया में आधे से ज्यादा देशों में आज अगर लोकतंत्र स्थापित है, तो यह प्रमाण है कि संसार के ज्यादातर लोग लोकतंत्र को पसंद करते हैं। आधुनिक लोकतंत्र की स्थापना करने वाले अग्रणी राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बुलावे पर विश्वस्तरीय ऑनलाइन लोकतंत्र सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इसमें पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसने आखिरी वक्त में भाग लेने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इस सम्मेलन में चीन को आमंत्रित नहीं किया गया है और चीनी सत्ता प्रतिष्ठान विगत दिनों से अपनी नाराजगी लगातार जाहिर करने में लगा हुआ है। चीन में भले ही लोकतंत्र नहीं है, पर वह अपनी व्यवस्था को समाजवादी लोकतंत्र से कम नहीं मानता। एक समय तक अमेरिका चीनी व्यवस्था की ओर से आंखें मूंदे हुए था, पर जब चीनी व्यवस्था अमेरिका पर हावी होने लगी, तब उसकी नींद टूटी। लोकतंत्र पर सम्मेलन शायद अलोकतांत्रिक चीन को घेरने की अमेरिकी कोशिश ही है। हाल ही में अमेरिका चीन में आयोजित विंटर ओलंपिक में भाग लेने से इनकार कर चुका है, इससे भी चीन का रोष स्वाभाविक है। निस्संदेह, बाइडन का आमंत्रण ठुकराकर पाकिस्तान ने चीन को खुश करने की कोशिश की है और अपनी एक पुरानी पड़ती नाराजगी का भी मुजाहरा किया है। बाइडन को सत्ता संभाले दस महीने से भी ज्यादा बीत गए, लेकिन उन्होंने इमरान खान को एक फोन तक नहीं किया है। इसके पीछे अमेरिका की जो रणनीति है, वह धीरे-धीरे साफ होने लगी है। पाकिस्तान जैसे-जैसे चीन के पहलू में जाएगा, अमेरिका की तल्खी वैसे-वैसे बढ़ती जाएगी। पाकिस्तान अभी चीन के साथ खड़े होने में अपना हित देख रहा है और चीन उसे अपना 'आयरन ब्रदर' या 'भाई' करार दे रहा है। हर देश को लाभ-हानि सोचने का हक है, पर पाकिस्तान को ठीक से सोच लेना चाहिए। उसे यदि चीन से आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मदद मिल रही है, तो क्या भविष्य में उसको अमेरिका की जरूरत नहीं पड़ेगी? क्या पाकिस्तान को चीन के रूप में नया अमेरिका मिल चुका है? बहरहाल, हमारे लिए यह बड़ा सवाल है कि भारत की जगह कहां है। भारत राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। यहां तमाम विविधताओं के बावजूद लोकतंत्र सलामत है और दुनिया के बहुत से देशों के लिए ईर्ष्या की वजह है। हमें अपने लोकतंत्र को और मजबूत व समावेशी बनाना चाहिए। बाइडन ने इस सम्मेलन में लोकतंत्रों में आ रही गिरावट पर चिंता का इजहार किया है, तो दुनिया के 100 से ज्यादा लोकतांत्रिक देशों को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। यह अच्छी बात है कि दुनिया में इक्का-दुक्का लोकतांत्रिक देश ही ऐसे हैं, जिनका मकसद साम्राज्यवादी है या जो ताकत के जोर पर अपने भूगोल का विस्तार चाहते हैं। जो लोकतांत्रिक होगा, वही संवाद से आगे की राह तय करेगा और जिसका संवाद पर भरोसा नहीं होगा, वह धूर्तताओं और बंदूकों के सहारे आगे बढ़ेगा। राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका को भी अपनी वैश्विक नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए। क्या अमेरिका दुनिया में लोकतंत्रों को मजबूत करने की दिशा में वाकई ईमानदार होने जा रहा है?

आज के कार्टून

प्रभाव

जग्गी वासुदेव/ मनुष्य होने के कारण हम बहुत सारी अलग-अलग गतिविधियां कर सकते हैं। हमारी गतिविधि चाहे जिस भी तरह की हो, आजकल तो सख्त से सख्त कारोबारी भी सिर्फ लाभ की नहीं बल्कि प्रभाव की भी बात कर रहे हैं। प्रभाव का मतलब यही है कि 'हम किसी के जीवन को छूना चाहते हैं'। चाहे कारोबारी लोग प्रभाव की बात करें, या आप किसी के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाएं, मूल रूप से, कहीं न कहीं आप किसी के साथ कुछ समय के लिये ही सही, अपने बीच की सीमाएं तोड़ना चाहते हैं। एक योगी होने का अर्थ ये है कि आप अपनी व्यक्तिगतता की सीमाओं को मिटाने के लिये तैयार हैं। अपने व्यक्तित्व की सीमाओं को मिटाने के लिए तैयार होना। किसी तरह से, आप उन सीमा रेखाओं को मिटा देना चाहते हैं जो आप को ब्रह्मांड से अलग करती हैं। योग का अर्थ है कि आप उस ओर वैज्ञानिक ढंग से जाएं। आप को कोई बहुत बड़ी गतिविधि नहीं करनी है, शारीरिक संबंधों में नहीं लगना है, किसी भी चीज में नहीं फंसना है। आप अगर जागरूकता से अपनी सीमाएं मिटाते हैं, तो यहां बैठे-बैठे, आपको किसी भी अन्य गतिविधि से अरबों गुना ज्यादा का अनुभव मिलेगा, और ये सब बहुत ही अदभुत होगा। योग का सीधा अर्थ है-अपनी सीमाएं मिटाना। इस धरती पर आपको हर तरफ जो मानवीय पागलपन दिखता है, वह सिर्फ इसलिये है क्योंकि मनुष्यों ने कड़ी सीमाएं बना कर रखी हैं। उन्होंने अपनी सीमाओं को इतना ठोस बना रखा है कि अगर दो लोग मिलते हैं, तो वे झगड़ते ही हैं। योग का अर्थ शरीर को तोड़ना, मरोड़ना नहीं है, न ही ये वजन कम करने या तनाव से मुक्ति दिलाने का कार्यक्रम है। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि आप 'मैं बनाम ब्रह्मांड' की मूर्खता को समझ गए हैं। यह तो एकदम पागलपन है कि आप उसके साथ मुकाबला करें जो आप के जीवन का स्रोत है। आप जब ये समझ लेते हैं, तभी आप योग की ओर बढ़ते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे कैसे करते हैं। आप इसे असर कह सकते हैं, सेवा कह सकते हैं, जो चाहे कह सकते हैं। मूल रूप से जब आप समझ जाते हैं कि ये 'मैं बनाम बाकी का ब्रह्मांड' एक बेवकूफी भरा मुकाबला है तो आप अपनी सीमाओं को ढीला करना शुरू कर देते हैं- ये ही योग है। इसका मतलब होता है 'असफल न होने वाले' तरीके से उस ओर बढ़ना।

जलवायु-रोधी फसलों के विकास की पहल

मुकुल व्यास

दुनिया में जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम में भारी उलटफेर हो रहा है। चरम मौसमीय घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। अनियमित मौसम की मार से भारत भी प्रभावित हुआ है। दक्षिणी राज्यों में अतिवृष्टि से भारी तबाही हुई है और हाल ही में पूर्वी तट पर समुद्री चक्रवातों का कहर भी बढ़ा है। इन प्राकृतिक विपदाओं का सीधा असर कृषि उत्पादन पर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के वर्तमान रुझानों को देखते हुए हमें आए दिन विषम मौसमीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अधिक गर्म तापमान और फसल बुवाई का समय लंबा खिंचने से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। इसी तरह बहुत-सी फसलें जलमग्न खेतों में नहीं टिक पाएंगी। दुनिया के वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के इन खतरों से वाकिफ हैं और उन्होंने ऐसी फसलों की खोज आरंभ कर दी है जो इन परिवर्तनों का प्रतिरोध कर सकें। कुछ वैज्ञानिकों ने दुनिया में विषम परिस्थितियों में उगने वाले पौधों का अध्ययन शुरू किया है। वे यह देखना चाहते हैं कि क्या खाद्यान्न फसलें भी इन पौधों का अनुसरण कर सकती हैं। पृथ्वी पर अत्यंत कठोर वातावरण में भी पेड़-पौधे पनपते हैं। यदि वैज्ञानिकों को ऐसी विषम परिस्थितियों में उगने वाले पौधों के खास जीनों का पता चल जाए तो दुनिया में दूसरी शुष्क जगहों पर भी इस तरह के पौधे उगाए जा सकते हैं। शोधकर्ताओं के अंतर्राष्ट्रीय दल ने चिली के एटाकामा रेगिस्तान में पनपने वाले पौधों में कुछ खास जीनों की पहचान की है। शोधकर्ताओं का ख्याल है कि फसलों में इन जीनों का समावेश करके उन्हें कठोर जलवायु झेलने लायक बनाया जा सकता है। इस अध्ययन की सह-लेखक और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ग्लोरिया कोरूजी ने कहा है कि दुनिया में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन को देखते हुए हमें शुष्क और कम पौष्टिकता वाली परिस्थितियों में फसल उत्पादन और पौधों की सहनशीलता बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए हमें उनका आनुवंशिक आधार खोजना पड़ेगा। इस अध्ययन में जिन विशेषज्ञों ने भाग लिया, उनमें वनस्पति शास्त्री, सूक्ष्म जीव-विज्ञानी, परिस्थिति विज्ञानी और आनुवंशिक विज्ञानी शामिल थे। विविध विषयों के इन जानकारों की मदद से शोध दल ने एटाकामा रेगिस्तान में उगने वाले पौधों, उनसे जुड़े जीवाणुओं और जीनों की पहचान की। चिली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रोड्रिगो गुटिएरेज ने कहा कि एटाकामा रेगिस्तान में पौधों का अध्ययन दुनिया के उन तमाम क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक है जो तेजी से शुष्क हो रहे हैं और जहां विषम तापमान, पानी और मिट्टी में लवण की अधिकता से दुनिया के खाद्यान्न उत्पादन को खतरा पैदा हो गया है। चिली के एटाकामा रेगिस्तान के एक तरफ प्रशांत महासागर और दूसरी तरफ एंडीज पर्वत माला है। यह ध्रुवों को छोड़ कर दुनिया की सबसे शुष्क जगह है। इसके बावजूद यहां दर्जनों प्रकार के पौधे लगते हैं, जिनमें घास और बारहमासी झाड़ियां शामिल हैं। एटाकामा में उगने वाले पौधों को सीमित जल के अलावा अधिक ऊंचाई, मिट्टी में कम पौष्टिकता और सूरज की रोशनी के उच्च विकिरण जैसी विषमताओं को भी झेलना पड़ता है। चिली के शोध दल ने एटाकामा रेगिस्तान में दस वर्ष की अवधि के दौरान एक कुदरती प्रयोगशाला स्थापित की है। यहां उन्होंने विभिन्न वानस्पतिक क्षेत्रों और ऊंचाइयों पर 22 जगह जलवायु, मिट्टी और पौधों की विशेषताओं का अध्ययन किया। उन्होंने इन क्षेत्रों के तापमान को रिकॉर्ड किया, जिसमें दिन और रात में 50 डिग्री का उतार-चढ़ाव था। उन्होंने इन क्षेत्रों में उच्च विकिरण के स्तर और रेत की संरचना का भी अध्ययन किया। इस क्षेत्र में साल में कुछ ही दिन बरसात होती है। शोधकर्ताओं ने तरल नाइट्रोजन में सुरक्षित पौधों और मिट्टी के नमूनों को प्रयोगशाला में पहुंचाया। प्रयोगशाला में एटाकामा की 22 प्रमुख वनस्पति प्रजातियों में अभिव्यक्त जीनों और पौधों से जुड़े जीवाणुओं का अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कुछ पौधों ने अपनी जड़ों के निकट ऐसे जीवाणुओं को विकसित किया जो रेगिस्तान में नाइट्रोजन की कमी वाली मिट्टी में नाइट्रोजन के अधिकतम इस्तेमाल में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं ने एटाकामा की परिस्थितियों के अनुरूप पौधों को ढालने वाले 265 जीनों की पहचान की। इस शोध में सम्मिलित अधिकांश प्रजातियों का पहले अध्ययन नहीं हुआ था। एटाकामा के कुछ पौधे प्रमुख खाद्य फसलों, फलियों और आलुओं से संबंध रखते हैं। अतः शोधकर्ताओं द्वारा पहचाने गए जीन एक बड़ी आनुवंशिक खदान की तरह हैं। इस बीच, वैज्ञानिकों के दूसरे दल मौजूदा खाद्य फसलों की ऐसी किस्में विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम कर सकें। कर्नाटक के शिमोगा जिले में उगने वाली धान की एक किस्म, जड्डू बट्टा लंबे समय तक जलमग्न खेत में रह सकती है। इस किस्म से जलवायु प्रतिरोधक धान की किस्म विकसित करने की उम्मीद जगी है। गोवा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तटवर्ती कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने धान की ऐसी किस्में विकसित की हैं जो गोवा और तटवर्ती कर्नाटक में लवण प्रभावित मिट्टी में भी उग सकती हैं। जड्डू बट्टा की फसल शिमोगा में नदी किनारे लगती है। कृषि वैज्ञानिक जड्डू बट्टा की किस्म और लवण प्रभावित मिट्टी में उगने वाली धान की किस्मों की संकर किस्म विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। लवण युक्त मिट्टी वाले धान से ज्यादा पैदावार होती है जबकि जड्डू बट्टा जलमग्नता को अधिक समय तक झेल सकता है। भारतीय कृषि वैज्ञानिकों का मत है कि धान की संकर किस्म लवणता और जलमग्नता की समस्याओं से निपट सकेगी। इस साल जबरदस्त बारिश के कारण कई दिन तक खेत पानी में डूबे रहे। नदियों और खाड़ी से रिसने वाले लवण से धान की उत्पादकता और कृषि आय में कमी आई। अमेरिका में मेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता आलू की एक ऐसी किस्म का विकास कर रहे हैं जो गर्म मौसम और बुवाई के लंबे समय से अप्रभावित रहेगी। शोधकर्ता इस बात से भी अवगत हैं कि आलू की फसल अतिवृष्टि की स्थिति में जलमग्न खेतों में नहीं टिक पाएगी। अतः उनकी कोशिश ऐसी किस्में विकसित करने की है जो जलवायु परिवर्तन के हर प्रभाव को झेल सकें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत-रूस करें चीन को अलग-थलग

- आर.के. सिन्हा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हालिया भारत यात्रा चीन के लिए एक संदेश होनी चाहिए। उस चीन के लिए जो भारत की सरहदों पर बार-बार अतिक्रमण की कोशिश करने से बाज नहीं आ रहा है। पुतिन की नई दिल्ली यात्रा के दौरान दोनों देशों के दरम्यान अनेक अहम समझौते हुए। लेकिन, साफ तौर पर या संकेतों में ही चीन को यह बता दिया जाता कि भारत-रूस हरेक संकट में एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे, तो बेहतर होता। देखिए कि जब से दुनिया कोविड के शिकंजे में आई है तब से पुतिन सिर्फ दो ही देशों में गए हैं। पहले वे अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन से मिलने जेनेवा गए थे। उसके बाद वे भारत आए। इसी उदाहरण से समझा जा सकता है कि वे और उनका देश, भारत को कितना महत्व देते हैं। इसलिए पुतिन की इस यात्रा को सामान्य या सांकेतिक यात्रा की श्रेणी में रखना भूल होगी। दरअसल भारत-रूस के बीच मौजूदा संबंधों में आई गर्मजोशी की जमीन तैयार करने में दोनों देशों के विदेश मंत्री क्रमशः एस. जयशंकर और सर्गेई लावरोव ने अहम रोल अदा किया है। दोनों देशों की चाहत है कि इनके बीच आगामी 2025 तक 30 अरब डॉलर का कारोबार और 50 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य पूरा हो जाए। कोविड की चुनौतियों के बावजूद भारत-रूस के द्विपक्षीय संबंधों और सामरिक भागीदारी में कोई बदलाव नहीं आया है। कोविड के खिलाफ लड़ाई में भी दोनों देशों के बीच सहयोग रहा है। हालांकि कुछ जानकार मान रहे थे कि भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में हुई झड़प के बाद रूस की तटस्थ नीति के चलते दोनों देशों के संबंध पहले की तरह नहीं रहेंगे। कईयों को गिला यह था कि झड़प के बाद भी रूस की भारत के हक में ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई। पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयंकर झड़प पर रूस ने कहा था कि वो भारत-चीन के बीच बढ़ते तनाव के कारण चिंता में है, लेकिन उसे उम्मीद है कि दोनों पड़ोसी देश इस विवाद को आपस में सुलझा सकते हैं। चीनी सैनिकों के साथ झड़प में भारतीय सेना के कर्नल सहित 20 जवानों की जान गयी थी। चीन की सीमा पर यह पांच दशकों के बाद सबसे बड़ा सैन्य टकराव था, जिसने दोनों देशों के बीच पहले से ही अस्थिर सीमा गतिरोध को और बढ़ा दिया। तब से भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरफ से कहा गया था, 'निश्चित रूप से हम चीनी-भारतीय सीमा को बहुत ध्यान से देख रहे हैं। हम मानते हैं कि दोनों देश भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने में सक्षम हैं।' उस हिंसक झड़प में चीन को भी भारी नुकसान हुआ था। जगहंसाई हुई सो अलग। रूस को अपना पुराना और भरोसेमंद मित्र मानते हुए भारत उससे कुछ अतिरिक्त की उम्मीद कर रहा था। भारत की जनता की दिली इच्छा थी कि रूस उसी तरह भारत के साथ खड़ा हो जैसे वह 1971 में पाकिस्तान के साथ जंग के समय खड़ा हुआ था। तब वह सोवियत संघ था। इसमें कोई शक नहीं है कि रूस की प्रतिक्रिया से वे लोग निराश हुए थे जिन्होंने भारत-सोवियत संघ मैत्री का दौर देखा था। तब सोवियत संघ, भारत के भरोसे के मित्र के रूप में सामने आता था। भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 की जंग के समय सोवियत संघ ने भारत का हरसंभव साथ दिया था। यह बात भी सच है कि इन पचास सालों में दुनिया बहुत बदली है, पर इतनी भी नहीं बदली जितना कि रूस बदला। कायदे से उसे पूर्वी लद्दाख में झड़प के समय भारत के हक में खुलकर आगे आना चाहिए था। लेकिन, उसने औपचारिक किस्म का एक संतुलित बयान देकर अपनी जान छुड़ा ली थी। फिर कुछ हलकों में यह भी कहा जा रहा था कि आतंकवाद से लड़ने के मामले में भी भारत को रूस का अपेक्षित साथ नहीं मिला। ब्रिक्स देशों के मंच पर भी नहीं। सारी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुका है और चीन का उसे खुला समर्थन मिलता है। चीन भी तो ब्रिक्स का सदस्य ही है। इसके बावजूद रूस ने कभी चीन को इस बिंदु पर सलाह नहीं दी कि वह पाकिस्तान से दूरियां बनाए। ब्रिक्स, यानी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का संघ। इसमें ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। आतंकवाद के मसले पर सभी ब्रिक्स देशों को चीन और पाकिस्तान के खिलाफ समवेत स्वर से बोलना चाहिए था। लेकिन, यह अबतक नहीं हुआ। चीन ब्रिक्स आंदोलन को लगातार कमजोर करता रहा है। चीन भारत के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रहा है। चीन के इस रवैये पर रूस चुप ही रहता है। भारत रूस से यह उम्मीद तो नहीं करता कि वह चीन से अपने सभी संबंध तोड़ ले। पर इतनी अपेक्षा तो कर सकता है कि वह सही मसले पर बोले। सत्य का साथ दे। भारत-रूस का दायित्व है कि वे धूर्त चीन पर लगाम लगाने के लिए रणनीति बनाएं। यह सारी दुनिया में शांति स्थापित करने के लिये जरूरी है। बहरहाल, चालू साल 2021 भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इस साल 1971 की ट्रीटी ऑफ पीस फ्रेंडशिप एंड कोऑपरेशन के पांच दशक और हमारी सामरिक भागीदारी के दो दशक पूरे हो रहे हैं। पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार में 17 फीसद की गिरावट हुई थी, परन्तु इस साल पहले 9 महीनों में व्यापार में 38 फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। दोनों देश स्वाभाविक रूप से सहयोगी हैं और बहुत महत्वपूर्ण चीजों पर साथ-साथ काम कर रहे हैं, जिसमें ऊर्जा, अंतरिक्ष सहित उच्च तकनीक के क्षेत्र शामिल हैं। यहां तक तो सब ठीक है। भारत-रूस संबंध सारी दुनिया के लिए उदाहरण होने चाहिए। दोनों देशों को विश्व शांति और बंधुत्व के लिए सदैव प्रयासरत रहना होगा। अगर वे सिर्फ आपसी व्यापार में वृद्धि की ही बातें करेंगे और तब नेपथ्य में चले जाएंगे जब दोनों पर संकट होगा तो फिर इस तरह की दोस्ती का मतलब ही क्या रहेगा?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सू-दोकू नवताल -1987

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

सू-दोकू -1986 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1987

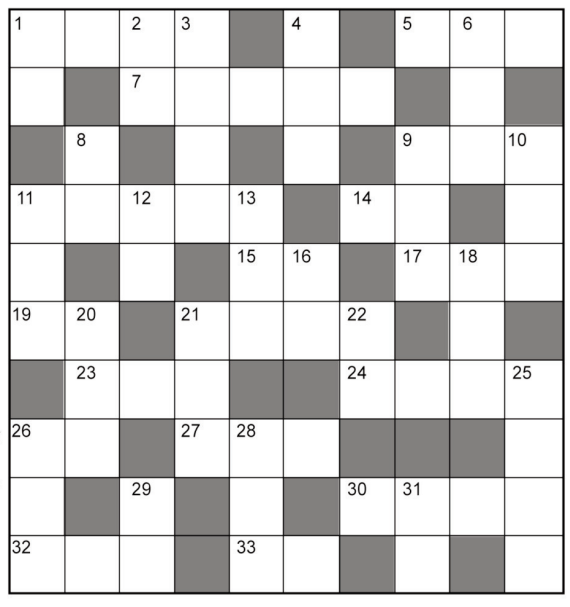

बायें से दायें:-

1. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-2,2
5. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-3
7. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-2,3
9. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-3
11. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-2,3
14. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-2
15. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-2
17. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-3
19. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-2
21. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-4
23. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-3
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-2,2
26. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
27. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-3
30. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-4
32. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-3
33. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-2
2. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-2
3. 'आज गालो मुस्कराले' गीत वाली फिल्म-4
4. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-3
6. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-3
8. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
9. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-3
10. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
11. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-3
12. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-2
13. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
18. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-3
20. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-3
21. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-2,1
22. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-2
25. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-4
26. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-3
28. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-3
29. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
31. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1986

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		र्जी		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		इ		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतरराष्ट्रीय कर ढांचा में सुधार समय की मांग: सीबीडीटी अध्यक्ष

नई दिल्ली: केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष जे बी मोहपात्रा ने अंतरराष्ट्रीय कर ढांचा में सुधार करने की आवश्यकता बताते हुए कहा है कि भारतीय व्यापार को वैश्विक कर के अनुरूप बनाने की प्रक्रिया को टाला नहीं जा सकता है। मोहपात्रा ने उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का अंतरराष्ट्रीय कर ढांचा और प्रक्रिया व्यापार के ब्रिक्स एवं मोटरर मॉडल जैसा है। कारोबार करने के तेजी से बदलाव हो रहे तौर तरीकों को अपनाया गया है लेकिन आने वाने समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए अब इसमें बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बहुस्तरीय सहयोग के लिए फ्रेमवर्क समझौता होते हैं। उन्होंने कहा कि बीईपीएस पिलर एक और पिलर दो पर चर्चा जारी है और शीघ्र की कराधान के मामले में रूख स्पष्ट हो जाएगा। मोहपात्रा ने कहा कि भारत का राजस्व लक्ष्य को हासिल करने में इससे मदद मिलेगी। पिलर दो से ही भारत को 50 अरब डॉलर का राजस्व मिल सकता है।

नोबेल से सम्मानित अर्थशास्त्री ने कहा, मोबाइल इंटरनेट से संभव हो पा रहा है समावेशी विकास

कोलकाता: नोबेल से सम्मानित अर्थशास्त्री माइकल स्पेंस ने कहा है कि मोबाइल के जरिए इंटरनेट सुविधा से समावेशी विकास संभव हो पा रहा है और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के स्टर्न बिजनेस स्कूल की ओर से शुक्रवार रात को आयोजित ऑनलाइन गोष्ठी में स्पेंस ने कहा कि भारत में मोबाइल इंटरनेट तक लोगों की पहुंच होने से हाल के समय में डिजिटल लेन-देन में असाधारण तेजी से विस्तार हुआ है। स्पेंस ने मोबाइल इंटरनेट के बारे में कहा, 'डिजिटल क्षेत्र को खोलने से सूचना प्रौद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के काफी अवसर बन रहे हैं।' उनके मुताबिक, मोबाइल इंटरनेट के विस्तार में उपकरण की कीमत और डेटा की दरों में कमी तथा गति बढ़ने जैसे कारकों की मुख्य भूमिका है। स्पेंस ने कहा कि मोबाइल भुगतान प्रणाली से बड़े पैमाने पर डेटा उत्पन्न होता है जबकि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन प्रशिक्षण में सूचनाओं के अंतराल को पाटने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि देश के स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा क्षेत्रों में सुधार पर इंटरनेट का खासा प्रभाव रहा है और भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था के कई मोर्चों पर अग्रणी है तथा यह अभी सिर्फ एक शुरुआत है।

प्रॉपर्टी बाजार पर ओमीक्रोन का अब तक कोई असर नहीं, परियोजनाओं में आएगी तेजी: क्रेडाई

नई दिल्ली: जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों का शीर्ष संगठन क्रेडाई ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का प्रॉपर्टी बाजार पर अब तक कोई असर नहीं है और बिक्री में वृद्धि जारी रहने की संभावना है। क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया) ने कहा, ''भारत के रियल्टी बाजार पर कोरोना वायरस के नए ओमीक्रोन स्वरूप का कोई विशेष असर नहीं है और त्योहारों के बाद वृद्धि को जो गति मिली थी उसके जारी रहने की उम्मीद है।''

परियोजना निर्माण की गति पर नहीं पड़ेगा असर

भारत में कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के अब तक 25 मामले सामने आए हैं। क्रेडाई ने कहा कि परियोजना निर्माण की गति पर अभी किसी तरह का असर पड़ने की आशंका नहीं है। आने वाले महीनों में यदि संक्रमण के मामले तेजी से नहीं बढ़ते हैं तो परियोजनाएं पूरी हो सकेंगी, उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत की मौजूदा वृद्धि टिकाऊ नहीं, पहली छमाही में चरम पर होगी: नोमुरा

मुंबई:

जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा का मानना है कि भारत में देखी जा रही मौजूदा आर्थिक वृद्धि टिकाऊ नहीं है और यह वर्ष 2022 की पहली छमाही में चरम पर पहुंच जाएगी। नोमुरा ने शुक्रवार को जारी अपने वार्षिक परिदृश्य में कहा कि ऊंची मुद्रास्फीति और बढ़ा हुआ चालू खाता घाटा अपना असर दिखाएंगे और भारतीय रिजर्व बैंक कदम उठाने के लिए मजबूर हो जाएगा। नोमुरा ने कहा कि भारत ने महामारी के दौर में आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए नरम नीतियां अपनाईं जिसका असर उच्च मुद्रास्फीति एवं चालू खाते का घाटा बढ़ने के रूप में सामने आया है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक भारत का आर्थिक पुनरुद्धार असंतुलित रहा है जिससे निम्न आय वाले परिवारों की खपत कम हुई है और आने वाले समय में सतत रूप से पूंजीगत व्यय में वृद्धि के भी आसार नहीं दिख रहे हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा, ÷कुल मिलाकर हमें नहीं लगता है कि वृद्धि का मौजूदा दौर टिकाऊ रहेगा। मिश्रित वृद्धि, ऊंची मुद्रास्फीति और दोहरे घाटे बढ़ने से हमारा अनुमान है कि भारत का जोखिम बढ़ेगा और आरबीआई को वृद्धि चक्र संभालने के लिए आगे आना होगा।÷ ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि पुनरुद्धार की रफ्तार पर आपूर्ति पक्ष से जुड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है लेकिन बिजली की कमी और चिप की किल्लत दूर होने के बाद इसके सामान्य हो जाने की उम्मीद है। नोमुरा ने कहा, ÷हमारा आकलन है कि भारत 2022 की पहली छमाही में कारोबारी चक्र के शिखर पर होगा और दूसरी छमाही में यह रफ्तार सुस्त पड़ने लगेगी।÷ विश्लेषकों ने भारतीय शेयर बाजारों पर अपना रुख तटस्थ रखते हुए कहा कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से कुछ चिंताएं हैं।

17 मिलियन अमेरिकी कामगार कोविड के कारण आर्थिक परेशानियों से घिरे

वॉशिंगटन।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 17 मिलियन अमेरिकी श्रमिकों ने अपनी नौकरी खो दी या 2020 में कोविड -19 महामारी की शुरूआत के बाद से उनके वेतन में गिरावट देखी गई। यह इस साल अक्टूबर तक का आंकड़ा है, सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक इकोनॉमिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट के डेटा का उपयोग करते हुए वित्तीय सेवाओं पर केंद्रित वेबसाइट एसेंट द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला दिया है। लेख में कहा गया है कि जिन लोगों को महामारी के परिणामस्वरूप किसी प्रकार का आर्थिक झटका लगा था, उनमें से 7.4 मिलियन आधिकारिक तौर पर बेरोजगार थे, जबकि 2.9 मिलियन लोग बेरोजगार हो गए, लेकिन उन्हें श्रम बल में नियोजित या नहीं के रूप में गलत वर्गीकृत किया गया था। अप्रैल, 2020 में, अमेरिका में बेरोजगारी दर रिकॉर्ड के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

समाधान समितियां तीन महीने में मामला निपटाएं: गडकरी

नई दिल्ली:

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि समाधान समितियों को सड़क निर्माण परियोजनाओं से संबंधित मामलों का निपटारा तीन महीने में कर देना चाहिए। गडकरी ने एक कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि इन मामलों के निपटारे में देरी होने से परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, मैंने मध्यस्थों की एक बैठक बुलाने का फैसला किया है। मैं उनसे कहुंगा कि एक निर्धारित फॉर्म बनाया जाए जिसे कोई निर्माण ठेकेदार मध्यस्थता के लिए जाना चाहे तो उसे भर सके। गडकरी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 15 दिनों के भीतर इस आवेदन पर निर्णय करेगा और फिर मामला समाधान समिति के पास जाएगा। उन्होंने कहा, समाधान समितियों को तीन महीनों के भीतर फैसला दे देना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निर्धारित समय वाला पहलू काफी अहम है। उन्होंने कहा कि अधिकतर सड़क परियोजनाएं व्यवस्थागत कारणों से देर हुई हैं।

ट्राई का खुलासा, एयरटेल के खिलाफ मिलीं सबसे ज्यादा शिकायतें

बिजनेस डेस्क:

ट्राई को एयरटेल के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। इसके बाद वोडाफोन आइडिया और रिलायंस जियो का नंबर है। संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक साल 2021 में भारती एयरटेल की सर्विस से जुड़ी 16,111 शिकायतें मिली हैं। वोडाफोन आइडिया की सर्विस के खिलाफ 14,487 और रिलायंस जियो की सेवाओं के खिलाफ 7,341 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

MTNL और BSNL के खिलाफ शिकायतें

वोडाफोन आइडिया के खिलाफ खराब सर्विस की 14,487 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें से 9,186 शिकायतें वोडाफोन की सेवाओं के खिलाफ और 5,301 शिकायतें आइडिया के खिलाफ दर्ज हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक ट्राई को एमटीएनएल के खिलाफ 732 और बीएसएनएल के खिलाफ 2,913 शिकायतें मिली हैं। चौहान ने कहा है कि ट्राई एक्ट में व्यक्तिगत तौर पर कंज्यूमर की ओर से की गई शिकायतों के समाधान का प्रावधान नहीं हैं। हालांकि शिकायतें संबंधित सर्विस प्रोवाइडर्स को भेज दी गई हैं।

देश में कुल 106 करोड़ मोबाइल यूजर

अभी देश में कुल 106 करोड़ 4G यूजर्स हैं। जिसमें रिलायंस जियो के पास सबसे ज्यादा 44 करोड़ ग्राहक हैं। वहीं एयरटेल के पास 35 करोड़ और Vi के पास 27 करोड़ यूजर्स हैं। ऐसे में दोनों कंपनियों (Vi+एयरटेल) की नई कीमतों का असर 62 करोड़ करीब 58.5% यूजर्स पर होगा यानी, 106 करोड़ में से करीब 5.3 करोड़ पोस्टपेड यूजर्स हैं।

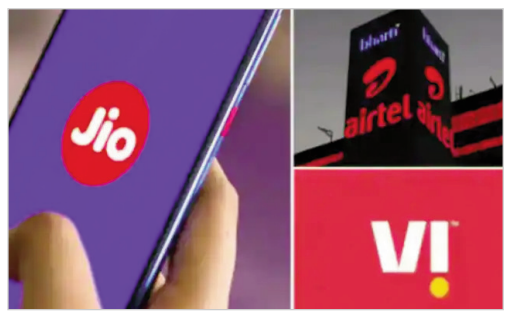

इस तरह दर्ज होती हैं शिकायतें

ट्राई ने टेलीकॉम सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनियों को टू टियर शिकायत निवारण मैकेनिज्म बनाने का निर्देश दिया था ताकि ग्राहकों की शिकायतों का निपटारा हो सके। शिकायत निवारण मैकेनिज्म के तहत ग्राहक टेलीकॉम सेवाएं देने वाली कंपनियों के शिकायत केंद्र में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। अगर ग्राहक की शिकायतें वहां दूर नहीं होती हैं तो टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स के अपीलीय प्राधिकरण में अपील की जा सकती है। एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और रिलायंस जियो तीनों ने अपनी टैरिफ और डेटा रेट में इजाफा किया है। देश के प्राइवेट सेक्टर में अब टेलीकॉम सर्विसेज मुहैया कराने वाली यही तीन कंपनियां बची हैं। तीनों को पास करोड़ों में ग्राहक हैं। हालांकि कंपनियां अपनी सेवाओं को लगातार बेहतर करने की कोशिश में लगी हैं लेकिन भारत में ग्राहक इंटरनेट की धीमी स्पीड से जूझ रहे हैं।

बैंक डिपोजिट इंश्योरेंस कार्यक्रम में जमाकर्ताओं को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को विज्ञान भवन में डिपोसिटर्स फर्स्ट : गारन्टीड टाइम-बाउन्ड डिपोसिट इंश्योरेंस पैमेन्ट अप टु 5 लाख विषय पर एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

जमा बीमा भारत में कार्यरत सभी वाणिज्यिक बैंकों में बचत, फिक्स्ड, चालू, आवर्ती जमा जैसी सभी जमाराशियों को कवर करता है। राज्य, केंद्रीय और प्राथमिक सहकारी बैंकों में जमा, राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यरत भी शामिल हैं। एक अभूतपूर्व सुधार में, बैंक जमा बीमा कवर को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। प्रति बैंक 5 लाख रुपये प्रति जमाकर्ता के जमा बीमा कवरेज के साथ, पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में पूरी तरह से संरक्षित खातों की संख्या 80 प्रतिशत के अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के मुकाबले कुल खातों की संख्या का 98.1 प्रतिशत थी। अंतरिम भुगतान की पहली किश्त जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम द्वारा हाल ही में जारी की गई है। 16 शहरी सहकारी बैंकों के जमाकर्ताओं से प्राप्त दावों के खिलाफ, जो आरबीआई द्वारा प्रतिबंध के तहत हैं। 1 लाख से अधिक जमाकर्ताओं के दावों के खिलाफ वैकल्पिक बैंक खातों में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, एमओएस वित्त भागवत के कराड और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

सॉफ्टवेयर 'टूल' में बड़ी सेंधमारी, छोटी-बड़ी कंपनियों के लिए पैदा हुआ खतरा

बोस्टन।

इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता अब खतरे की घंटी भी बनती जा रही है। विश्व में बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एक सॉफ्टवेयर 'टूल' में बड़ी सेंध की वजह से दुनिया के कई छोटे-बड़े संगठनों के लिए खतरा पैदा हो गया है। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष-आसूचना एडम मेयर्स ने कहा, 'इंटरनेट पर तबाही मची हुई है। लोग इस सेंध को ठीक करने के लिए मशक्कत कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यह 'बग' अस्तित्व में आने के 12 घंटों में 'पूर्ण रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार हो गया था।' इसका मतलब है कि साइबर अपराधियों ने इसके दुरुपयोग के लिए 'उपकरण' तैयार कर लिए हैं।मेयर्स के अनुसार, यह पिछले कई वर्षों में कंप्यूटर प्रणाली के लिए सबसे बड़ी सेंध साबित हो सकती है। जब तक इसे ठीक नहीं किया जाता है, यह अपराधियों, जासूसों और नौसिखियों को समान रूप से आंतरिक नेटवर्क तक आसान पहुंच प्रदान करता है। इसके जरिए वे महत्वपूर्ण आंकड़े चोरी कर सकते हैं, मालवेयर डॉल सकते हैं और महत्वपूर्ण जानकारी को मिटा सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.783 अरब डॉलर घटकर 635.905 अरब डॉलर पर

मुंबई:

देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.783 अरब डॉलर घटकर 635.905 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 271.3 करोड़ डॉलर घटकर 637.687 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार तीन दिसंबर को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट आना था जो कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, सप्ताह के दौरान एफसीए 1.483 अरब डॉलर घटकर 573.181 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशीमुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 40.7 करोड़ डॉलर घटकर 38.418 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार नौ करोड़ डॉलर बढ़कर 19.126 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार 1.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.18 अरब डॉलर हो गया।

पेटीएम गोल्ड ने शादी के सीजन में तोहफा देना आसान बनाया

नई दिल्ली:

शादी का सीजन चल रहा है और डिजिटल गोल्ड गिफ्ट कर सबसे सरल और सुरक्षित तरीका है। डिजिटल गोल्ड के साथ, फिजिकल गोल्ड की तरह स्टोरेज का जोखिम नहीं होता है और असल में यह निवेश करने का एक स्मार्ट तरीका है। भारत की डिजिटल पेमेंट्स एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम ने सबसे पहले अपने प्लेटफॉर्म पर डिजिटल गोल्ड की पेशकश की थी। डिजिटल गोल्ड का तोहफा पेटीएम के माध्यम से दिया जा सकता है और इसके लिए न्यूनतम या अधिकतम बजट नहीं चाहिए। दुल्हन और दूल्हा या तो इसे अपने पास रख सकते हैं या बेच सकते हैं या भविष्य में अपनी जरूरतों के हिसाब से इसे फिजिकल सिक्कों में बदल भी सकते हैं। पेटीएम गोल्ड यूजर्स को 24-कैरेट 999.9 शुद्धता वाला बीआईएस-सर्टिफाइड डिजिटल गोल्ड एक मिनट से भी कम समय में अपने बजट के हिसाब से खरीदने की अनुमति देता है। वे साप्ताहिक या मासिक ऑटो पेमेंट्स में से चुनकर अपने खुद के गोल्ड सेविंग प्लान बना सकते हैं और इसकी शुरूआत महज 1 रुपए से हो सकती है। यह प्लेटफॉर्म डिजिटल गोल्ड को सिक्कों या बिस्कुट में बदलने का विकल्प भी देता है, जिन्हें रजिस्टर्ड पते पर डिलीवर किया जाता है।

नाबार्ड का अनुमान, 2022-23 में असम की ऋण क्षमता 36,292 करोड़ रुपए रहेगी

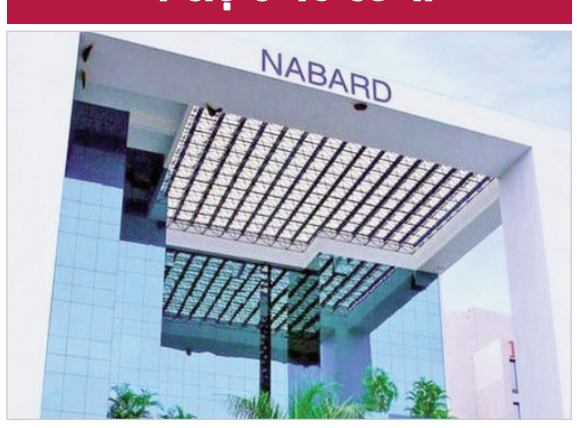

गुवाहटी:

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए असम की ऋण क्षमता 36,292 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि असम की ऋण क्षमता में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। नाबार्ड की तरफ से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जारी 'राज्य केंद्रित दस्तावेज' रिपोर्ट के अनुसार, कुल अनुमानित ऋण क्षमता का लगभग 52 प्रतिशत कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए है। वही नाबार्ड का कहना है कि राज्य की ऋण क्षमता में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम एमएसएमई) क्षेत्र की 36 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। अधिकारी ने बताया कि इसके आधार पर ही वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण के लिए वार्षिक योजना तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों के लिए 18,755 करोड़ रुपए की ऋण क्षमता का अनुमान है। वही एमएसएमई क्षेत्र के लिए 12,952 करोड़ रुपए, असंगठित क्षेत्र के लिए 1,388 करोड़ रुपए और आवास, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों के लिए 3,197 करोड़ रुपए की ऋण क्षमता का अनुमान है। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक बैजू कुरूप ने कहा कि हाल ही में एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी, जिसमें जमीनी स्तर पर ऋण की मांग पर विचार किया गया था।

मेटा, व्हॉट्सएप को भारत में मुख्य अनुपालन, शिकायत निपटान अधिकारी की तलाश

नयी दिल्ली

मेटा (पूर्व में फेसबुक) और वॉट्सएप को नोडल संपर्क एवं शिकायत निपटान अधिकारी के साथ-साथ मुख्य अनुपालन अधिकारी पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश है। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के तहत बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों में इन पदों पर नियुक्ति अनिवार्य है। लिंक्डइन पर इन रिक्तियों के विज्ञापन बीते कुछ दिन के भीतर दिए गए हैं। इस साल मई में प्रभाव में आए नए आईटी नियमों के तहत बड़ी सोशल मीडिया मध्यवर्तियों (50 लाख उपयोगकर्ताओं वाली अन्य इकाइयों के साथ) को शिकायत निपटान अधिकारी, नोडल अधिकारी और मुख्य अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करनी होगी। इन पदों पर नियुक्त किए जाने वाले अधिकारी भारत के निवासी होने चाहिए। नए आईटी नियम आने के बाद वॉट्सएप ने अपनी वेबसाइट पर भारत के लिए शिकायत निपटान अधिकारी के रूप में परेश बी लाल का नाम लिखा था, जबकि फेसबुक ने स्पूर्ति प्रिया का नाम दिया था। संपर्क करने पर मेटा और वॉट्सएप की ओर से ई-मेल के जरिये भेजे गए वक्तव्य में कहा गया, ''मध्यवर्ती दिशानिर्देश नियमों की आवश्यकताओं के अनुसार हमने अधिकारियों की नियुक्ति की है। नए आईटी नियमों को लेकर सरकार के साथ हमारा संवाद लगातार बना हुआ है।''

मेटा अपने विविध ऐप के लिए भारत को अपने सबसे बड़े बाजारों में से एक मानती है। भारत सरकार द्वारा इस साल की शुरुआत में दिए गए आंकड़ों के अनुसार देश में 53 करोड़ वॉट्सएप उपयोगकर्ता, 41 करोड़ फेसबुक उपभोक्ता और 21 करोड़ इंस्टाग्राम खाताधारक हैं। लिंक्डइन पर मेटा की पोस्ट के अनुसार, ''कंपनी भारत में फेसबुक के लिए नोडल संपर्क सूत्र और शिकायत निपटान अधिकारी के पद के लिए एक अत्यंत पेशेवर उम्मीदवार की तलाश कर रही है।''

नए आईटी नियमों के तहत सभी मध्यवर्ती इकाइयों को अपनी वेबसाइट, ऐप पर प्रमुखता से शिकायत निपटान अधिकारी का नाम और उसका संपर्क प्रकाशित करना होगा। शिकायत निपटान अधिकारी को 24 घंटे में किसी शिकायत को मिलने की पुष्टि करनी होगी। उसे शिकायत मिलने के 15 दिन के अंदर उसका समाधान करना होगा।

लायन 400 टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

गाबा । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नॉथन लायन ने एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले ही टेस्ट मैच में अपने 400 विकेट पूरे किये हैं। लायन ने इंग्लैंड के डेविड मलान को आउट करते ही अपना 400वां विकेट लिया। वह 400 टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे गेंदबाज हैं। अब तक कुल 17 गेंदबाजों ने 400 टेस्ट विकेट लिए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व के सातवें स्पिनर हैं। लायन पहले गैर-एशियाई ऑफ स्पिनर हैं, जिन्होंने 400 टेस्ट विकेट लिए हैं। अब तक कुल सात स्पिनरों ने 400 या इससे अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं। इनमें से तीन भारतीय हैं। भारत के लेग स्पिनर अनिल कुंबले और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन व हरभजन सिंह ने यह आंकड़ा हासिल किया है। कुंबले रे 600 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। वहीं स्ट्राइक रेट की बात की जाये तो नाथन लायन कुंबले और हरभजन से आगे हैं। अश्विन और नाथन लॉयन के विकेट लेने के में ज्यादा अंतर नहीं है। 400 से ज्यादा विकेट लेने वाले 17 गेंदबाजों में सबसे बेहतर स्ट्राइक रेट 42.3 डेल स्टेन का है। दक्षिण अफ्रीका के स्टेन ने तकरीबन हर 42 वीं गेंद पर विकेट लिए है। वे एकमात्र गेंदबाज है जिनका स्ट्राइक रेट 50 से कम है। न्यजीलैंड के दिग्गज गेंदबाज रिचर्ड हैडली 50.8 इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। नाथन लायन ने 64.3 की स्ट्राइक रेट और 32.07 की औसत से विकेट लिए हैं।

पीवी सिंधू की निगाह विश्व चैंपियनशिप में खिताब के बचाव पर

ह्यूएलवा।

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू रविवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में खिताब के बचाव के लिए बड़े मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। सिंधू अभी अच्छी फॉर्म में है। वह विश्व टूर फाइनल्स में उप विजेता रही थी और यह इस प्रतियोगिता में उनका दूसरा रजत पदक था। इससे पहले वह फ्रेंच ओपन, इंडोनेशिया मास्टर्स और इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थी। हैदराबाद की यह 26 वर्षीय खिलाड़ी अब अपने पहले विश्व चैंपियनिशप खिताब का बचाव करने के लिये उतरेगी जो उन्होंने दो साल पहले स्विट्जरलैंड के बासेल में जीता था। इंडोनेशिया के सभी खिलाड़ियों और दो बार के विजेता केंटो मोमोता जैसे शीर्ष खिलाड़ियों के नहीं खेलने से टूर्नामेंट की चमक फीकी पड़ गई है। महिलाओं के वर्ग में तीन बार की चैंपियन कारोलिना मारिन और 2017 की विजेता नाजोमी ओसाका भी भाग नहीं ले रही हैं। यह पहला अवसर होगा जबकि लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और विश्व चैंपियनशिप 2015 की रजत पदक विजेता साइना नेहवाल चोटिल होने के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी। सिंधू के पास ऐसे में अपने खिताब का बचाव करने का अच्छा मौका रहेगा लेकिन इसके बावजूद उन्हें थाईलैंड की नौवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग, चीनी ताइपै की शीर्ष वरीय ताइ जु यिंग और कोरिया की किशोरी आन सियोंग की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। सियोंग अभी बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। उन्होंने इंडोनिशया मास्टर्स और इंडोनिशया ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व टूर फाइनल भी जीता। सिंधू को पहले दौर में 'बाइ' मिली है। उन्हें अगले दौर में मार्टिना रेपिस्का का सामना करना है जिनकी पहले दौर की प्रतिद्वंद्वी रसेली हर्टवान भी टूर्नामेंट से हट गयी है। सिंधू को इस मैच में जीत के बाद चोचुवांग का सामना करना पड़ सकता है। यदि सिंधू थाई खिलाड़ी को हरा देती है तो उन्हें आगे ताइ जु का सामना करना पड़ सकता है जिनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ रिकार्ड 14-5 है।पुरुष एकल में 12वीं वरीयता प्राप्त किदाम्बी श्रीकांत का सामना स्पेन के पाब्लो अबेन से और बी साई प्रणीत का नीदरलैंड के मार्क कालजोऊ से होगा। एच एस प्रणय पहले दौर में आठवीं वरीयता प्राप्त एनजी का लोंग का सामना करेंगे जबकि लक्ष्य सेन के पहले दौर के प्रतिद्वंद्वी ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को पहले दौर में 'बाइ% मिली है। अगले दौर में उनका सामना ली जे हुई और यांग पो हुआन तथा फैब्रिसियो फरियास और फ्रांसेल्टन फरियास के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। महिला युगल में एन सिक्की रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा के पहले दौर के प्रतिद्वंद्वी भी हट गये हैं। उन्हें अगले दौर में 14वीं वरीयता प्राप्त लियू जुआन जुआन और जि़या यू टिंग का सामना करना है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ ने कहा, होबार्ट में खेला जाएगा पांचवा टेस्ट

होबार्ट।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि यहां ब्लंडस्टोन एरेना मैदान में 14 जनवरी से पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट की मेजबानी की जाएगी। शनिवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक होकली ने पुष्टि करते हुए बताया कि पांचवा टेस्ट होबार्ट के मैदान ब्लंडस्टोन एरिना में आयोजित होगा। शुक्रवार को खबरें सामने आई थीं कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में अगला मैच खेला जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ और होबार्ट को पांचवें टेस्ट के लिए चुना गया। होबार्ट पांच साल बाद किसी टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। होबार्ट के लिए एशेज का पांचवां टेस्ट कई मायनों में भी ऐतिहासिक होगा, इस मैदान को पहली बार एशेज की मेजबानी मिली है, वहीं तस्मानिया राज्य में यह पहला ऐसा मुकाबला है जहां डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। होबार्ट में आखिरी टेस्ट मैच नवंबर 2016 में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। होकली ने कहा, हमने यह निर्णय लेने से पहले कई सारे पहलुओं पर चर्चा की है और एक लंबी चर्चा के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने होबार्ट को चुना है।

टेनिस खिलाड़ी हर्बर्ट ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट में नहीं लेंगे भाग

मेलबर्न।

पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन युगल चैंपियन और पांच पुरुष युगल खिताब के विजेता, फ्रेंचमैन पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट ने खुलासा किया कि वह 2022 के शुरुआती ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे क्योंकि उन्होंने अभी तक कोविड-19 का टीका नहीं लिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट 17 जनवरी से शुरू हो रहा है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के निदेशक क्रे ग टिली ने हाल ही में कहा था कि केवल पूरी तरह से कोविड टीकाकरण वाले खिलाड़ियों को ही टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। निकोलस माहुत के साथ 2019 में ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब जीतने वाले 30 वर्षीय हर्बर्ट एटीपी पर 8वें स्थान पर हैं। सैवन न्यूजस डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से हर्बर्ट ने कहा व्यक्तिगत रूप से, मैंने अभी टीका नहीं लगवाया है और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा मेरे लिए सिर्फ एक विकल्प नहीं है। फ्रांसीसी खिलाड़ी भी मेलबर्न मैदान में युगल खिताब जीतने की दौड़ में थे क्योंकि उन्होंने इस साल रोलैंड गैरोस में जीत हासिल की है, जिससे उनका ग्रैंड स्लैम खिताब में पांचवां नंबर है। हर्बर्ट के साथी महुत भी अपनी ऑस्ट्रेलियन ओपन भागीदारी के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि उन्हें कोविड-19 वैक्सीन का केवल एक शॉट लिया है। महुत ने पिछले महीने कहा था, मुझे टीका लगा है। लेकिन अभी सिर्फ एक शॉट ही लगा है। एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने भी अपने आप को अभी तक टूर्नामेंट के लिए तैयार नहीं किया है और उन्होंने अपने टीकाकरण की स्थिति के बारे में बताने से इनकार कर दिया है।

एशियन रोइंग चैंपियनशिप 2021: थाईलैंड में भारत ने स्वर्ण और रजत पदक जीता

रेयोंग (थाईलैंड)।

अर्जुन लाल जाट और रवि की पुरुष डबल्स की जोड़ी ने शनिवार को यहां 2021 एशियन रोइंग चैंपियनशिप में स्वर्ण और परमिंदर सिंह ने सिंगल स्कल्स में रजत पदक जीता। हाल ही में अर्जून लाल टोक्यो ओलंपिक खेलों में 11वें स्थान पर रहे थे। डबल स्कल्स फाइनल में भारत के अर्जुन लाल और रवि ने 6:57.383 मिनट में पहले स्थान पर फिनिश लाइन को पार किया। वे चीन के झांग ली किंग और लू टिंग (7:02.357) से आगे रहे जिन्हें रजत पदक और उज्बेकिस्तान के एम. दावरोनोव और ए. दोजरेव (7:07.734) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। परमिंदर सिंह उज्बेकिस्तान के शाखबोज खुलमुरजेव के बाद 8:07.323 के साथ पुरुषों के एकल स्कल्स में रजत पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहे। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में परमिंदर का पहला पदक था। उज्बेकिस्तान रोवर ने 7:56.307 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंडोनेशिया के मेमो ने 8:20.55 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। भारत को ओलंपियन अरविंद सिंह से लाइटवेट सिंगल स्कल्स और पुरुषों की कॉक्सलेस क्वाड्रपल स्कल्स में पदक जीतने की उम्मीद है, क्योंकि वे भी फाइनल में चुके हैं, रविवार को चैंपियनशिप का अंतिम दिन है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की दो महिला क्रिकेटर ओमिक्रॉन संक्रमित पाई गईं

ढाका। देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जाहिद मालेक ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की दो सदस्य ओमिक्रॉन संक्रमित पाई गईं हैं। क्रिकबज ने मालेक के हवाले से कहा, प्रोटोकॉल के अनुसार हम उन्हें दो सप्ताह तक निगरानी में रखेंगे और पूरी तरह से ठीक होने के बाद छोड़ दिया जाएगा। क्योंकि उन्हें ठीक होने में समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा, हम उनके संपर्क में आए सभी को ट्रेस करके उनकी जांच कर रहे हैं। इससे पहले, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 6 दिसंबर को जिम्बाब्वे से लौटने के बाद दो सदस्यों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रीय महिला टीम को अलग-अलग कर दिया था। टीम आईसीसी महिला विश्व कप 2022 क्वालीफायर में भाग लेने के लिए जिम्बाब्वे गई थी, जिसे ओमिक्रॉन के कारण बीच में ही रद्द कर दिया गया था।बांग्लादेश सरकार द्वारा अफ्रीकी राष्ट्र से आने वाले यात्रियों पर नए नियम लागू करने के बाद, महिला टीम के सदस्यों को आइसोलेशन में रहना पड़ा, जहां टेस्ट के दौरान दो सदस्य ओमिक्रॉन संक्रमित पाई गईं। इस बीच, बीसीबी की महिला विंग के अध्यक्ष नडेल चौधरी ने कहा है कि महिला टीम को और 14 दिनों तक आइसोलेशन में रहना होगा।

इंग्लैंड की बल्लेबाजी लंबे समय से विफल हो रही है - हुसैन

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शनिवार को कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी लंबे समय से विफल हो रही है। हुसैन की यह टिप्पणी गाबा में पहले एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की नौ विकेट से हार के बाद आई है। इंग्लैंड (220/2) से आगे चौथे दिन की शुरुआत की। इस दौरान डेविड मलान और कप्तान जो रूट ने पारी को संभावने की कोशिश की। लेकिन, नाथन लियोन ने शानदार गेंदबाजी कर इंग्लैंड को 297 पर ही रोक दिया और ऑस्ट्रेलिया को जीतने के लिए सिर्फ 20 रनों की आवश्यकता थी। हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स पर कहा, हमारी गेंदबाजी ने हमें वर्षों से कितना भी आगे बढ़ाया हो, लेकिन पिछले दो या तीन सालों से बल्लेबाजी ने निराश किया है। मुझे ऐसा लगता है कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइन-अप पहले दिन से संघर्ष करती नजर आई। हुसैन ने जुलाई के बाद क्रिकेट में वापसी करने वाले ऑलराउंडर बेन स्टोक्स पर एशेज के आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, जब स्टोक्स लंबे समय बाद वापसी करते हैं तो उनको अच्छा प्रदर्शन देने में समय लगता है। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिसे बल्लेबाजी करने के लिए थोड़े समय की आवश्यकता होती है।

गाबा में चौथे दिन के दौरान बिजली कटने पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगी

ब्रिस्बेन।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकली ने शनिवार को गाबा में चौथे दिन के दौरान बिजली कटने पर माफी मांगी है। चौथे दिन के पहले सत्र के दौरान स्टेडियम में बिजली गुल से टीवी पर मैच का प्रसारण कुछ समय के लिए बाधित हो गया था, जिससे फॉक्स स्पोर्ट्स, सेवन नेटवर्क और दुनियाभर के टीवी स्टेशनों पर मैच का प्रसारण नहीं हो सका। चैनल 7 के इंग्लैंड कमेंटेटर एलिसन मिशेल ने टीवी लाइव फीड के दौरान अचानक बिजली जाने के बारे में रिपोर्ट की। हालांकि सेवन और फॉक्स ने मैदान के कुछ दृश्य दिखाने वाले अतिरिक्त कैमरों के माध्यम से प्रसारित करने की कोशिश की, लेकिन वह भी बाधित हो गया। लोग मैच की जानकारी के लिए एबीसी रेडियो कमेंट्री पर निर्भर थे। हालांकि 25 मिनट के बाद, बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी गई और टीवी कवरेज वापस सामान्य हो गया। हॉकली ने एबीसी रेडियो से बात करते हुए मैच में बिजली बाधित होने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, मुझे हर मिनट लाइव अपडेट मिल रहे थे। मैं वहां मौजूद सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं। एक जनरेटर में दिक्कत आने की वजह से बिजली गुल हो गई। मैं फिर से सभी प्रशंसकों माफी मांगता हूं। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। 16 दिसंबर से एडिलेड ओवल में सीरीज का अगला डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा।

टीम के लिए गेम चेंजर साबित होते हैं लेग स्पिनर्स - इमरान ताहिर

कोलंबो। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर इमरान ताहिर ने शनिवार को कहा है कि टीम के लिए लेग स्पिनर्स गेम चेंजर साबित होते हैं और दुनियाभर की विभिन्न लीगों में सफल होने के लिए हर टीम को एक लेग स्पिनर की आवश्यकता होती है। प्रोटियाज लेग स्पिनर ने लंका प्रीमियर लीग में दांबुला जायंट्स के लिए चार मैचों में चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रतियोगिता में युवाओं के साथ अपने ज्ञान और कौशल को साझा करने में मजा आ रहा है। उन्होंने कहा, लेग-स्पिन की कला क्रिकेट का एक बहुत ही रोमांचक हिस्सा है। एक लेग स्पिनर बीच में दो-तीन विकेट लेकर मैच में अहम भूमिका निभा सकता है। प्रत्येक टीम को लेग स्पिनरों की आवश्यकता होती है जैसा की वे देखते हैं। अगर आप आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) रैंकिंग में शीर्ष टी20 गेंदबाजों को देखें तो इसमें लेग स्पिनरों का दबदबा है। आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग सूची में शीर्ष पांच गेंदबाजों में वानिंदु हसरंगा, तबरेज शम्सी, एडम जम्पा, आदिल रशीद और राशिद खान शामिल हैं। ताहिर ने कहा कि क्रिकेट का खेल पिछले कुछ सालों में बदल गया है और लेग स्पिनरों को बेहतर प्रदर्शन करते हुए देखना बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने आगे कहा, युवाओं को यह जानने की जरूरत है कि कैसे गति, विविधता और विभिन्न पकड़ का उपयोग करके टी20 प्रारूप में अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमारे पास वास्तव में कुछ प्रतिभाशाली ऑफ स्पिनर हैं (दांबुला जायंट्स में) और वे वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

दिग्गज पीआर श्रीजेश की जगह लेना मुश्किल होगा : हॉकी गोलकीपर सूरज करकेरा

नई दिल्ली। भारत के हॉकी गोलकीपर सूरज करकेरा ने शनिवार को कहा है कि दिग्गज पीआर श्रीजेश की जगह लेना मुश्किल होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह 14 दिसंबर से ढाका में शुरू होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021 में अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करेंगे। तीन बार की चैंपियन भारत टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगा। करीब दो साल बाद भारतीय टीम में शामिल होने पर 26 साल के करकेरा ने कहा कि वह एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनने के लिए उत्साहित हैं। मुंबई के खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में टोक्यो ओलंपिक टेस्ट इवेंट में देश के लिए खेला था। करकेरा ने शनिवार को कहा, मैं लंबे समय के बाद भारत के लिए खेलने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। जब भी आपको भारतीय जर्सी पहने का मौका मिलता है, तो आपके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं बिल्कुल भी घबराया नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी तरह से ट्रेनिंग ली है। करकेरा, श्रीजेश की जगह टीम में खेलेंगे, जो टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारत के लिए ऐतिहासिक कांस्य पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे थे।

इंग्लैंड एडिलेड में नहीं जीतता है तो उसकी हालत 2006/07 जैसी हो सकती है : पोटिंग

ब्रिस्बेन।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने शनिवार को कहा है कि अगर इंग्लैंड 16 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाला दूसरा एशेज टेस्ट नहीं जीतता है, तो उनकी 2006/07 जैसी हालत हो सकती है। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप किया था।

उन्होंने कहा कि गाबा में परिस्थितियां उनके लिए सबसे उपयुक्त थीं। इंग्लैंड ने 2021/22 एशेज की शुरुआत शनिवार को पहला टेस्ट नौ विकेट से हारकर की है। पोटिंग ने एक ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट वेबसाइट को बताया, ऑस्ट्रेलिया के लिए हालात बेहतर होते जा रहे हैं। वे परिस्थितियां के अनुकुल खेल रहे हैं। गाबा की पिच गति और उछाल भरी थी। लेकिन अब पूरी सीरीज में ऐसी उछाल और गति वाली पिच नहीं मिलेगी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने एडिलेड की पिच पर पिछली पर बार अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने कहा, अगर इंग्लैंड एडिलेड टेस्ट नहीं जीतते हैं तो उनकी हालत 2006/07 सीरीज जैसी हो सकती है। पोटिंग ने पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के बाहर होने पर नाराजगी जताते हुए कहा, मैं नहीं समझ नहीं पा रहा हूं कि उन्हें (ब्रॉड और एंडरसन) क्यों बाहर किया गया, अगर वे उन्हें एडिलेड के लिए तैयार नहीं करते है तो मैं अभी भी बात पर कायम रहूंगा। वहीं, एडिलेड में दोनों में किसी एक का खेलना जरूरी होगा। अगर जोश हेजलवुड चोट के कारण एडिलेड टेस्ट से बाहर हो जाते हैं, तो माइकल नेसर या रिचर्डसन को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। रिचर्डसन स्पष्ट रूप से स्टार्क की जगह इस टेस्ट को खेलने के बहुत करीब थे। वह शानदार फॉर्म में हैं। मैं नेसर से आगे रिचर्डसन को मौका देना चाहूंगा।

चोट के कारण हेजलवुड एडिलेड टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

ब्रिस्बेन।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण 16 दिसंबर से एडिलेड में शुरू हो रहे दूसरे एशेज टेस्ट की टीम से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी जीत के बाद कहा, टेस्ट में तीन विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हेजलवुड का चोट के कारण स्कैन कराया गया था, जिसमें उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, शुक्रवार रात शरीर में दर्द होने के बाद उनका स्कैन कराया गया था, इसलिए हम उनकी रिपोर्ट को देखते हुए फैसला लेंगे। घबराने वाली बात नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य को देखकर उन्हें आराम करने को कहा गया है। मुझे लगता है उसे चोट से उबरने का मौका दिया जाना चाहिए, क्योंकि हम उसे सीरीज में खेलने के लिए खतरे में नहीं डाल सकते हैं। हेजलवुड ने अप्रैल के बाद से टेस्ट में प्रथम श्रेणी का मैच नहीं खेला है। इस दौरान उन्होंने पहले आईपीएल की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स के लिए और फिर ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 क्रिकेट खेले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शालू और गुलाबी फ्रॉक

मैं यह पिक फ्रॉक लेकर रहूंगी।' शालू ने मम्मी से जोर देकर कहा। 'पर तुम्हारे पास तो ऐसी कई फ्रॉक हैं बेटी' मम्मी ने उसे मनाते हुए कहा। उस समय तो शालू उनकी बात मान गई, लेकिन उसे रात में भी उसी फ्रॉक के सपने आते रहे..

उसने सपने में देखा कि उसकी मम्मी ने वही पिक फ्रॉक उसे दिला दी है और वह बहुत खुश है। सुबह हो गई थी, इसलिए मम्मी ने उसे जगाया। उठते ही वह उनके गले लग गई। 'अरे शालू क्या हुआ?' मम्मी ने पूछा तो उसने सपने वाली बात उन्हें बता दी। वे हंस पड़ीं और उन्होंने उसे समझाया कि यह हकीकत नहीं, सपना था। उनके इतना कहते ही शालू उदास हो गई। वह सचमुच उस फ्रॉक को खरीदना चाहती थी।

बाल कहानी

उस दिन रविवार था। इसलिए वह नाश्ता कर अपनी सहेली के घर खेलने के लिए निकल पड़ी। सहेली का घर थोड़ी दूरी पर था, इसलिए मम्मी उसे छोड़ने जा रही थीं। तभी रास्ते में शालू ने सड़क किनारे बैठी हुई एक लड़की को देखा। उसके कपड़े फटे-पुराने और गंदे थे। शालू ने मम्मी से पूछा, 'इस लड़की के कपड़े ऐसे क्यों हैं?' तो उन्होंने जवाब दिया, ' बेटी, वह बहुत गरीब है और उसके पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े भी नहीं हैं। वह अपना पेट भरने के लिए भीख मांग रही है। उसकी तरह और भी कई लोग हैं, जिनके पास न पेट भरने के लिए भोजन है और न पहनने के लिए कपड़ा और न रहने के लिए घर। ' शालू को यह सुनकर बहुत आश्चर्य हुआ। उसके मन में कई सवाल थे। जैसे कि ऐसे लोग कहां से आते हैं और इन्हें ऐसा कौन बनाता है आदि। लेकिन इन सब सवालों के जवाब जानने के लिए वह बहुत छोटी थी। इसलिए उसकी मम्मी ने इन सब बातों को समझने के लिए उस पर दबाव भी नहीं डाला। जब शालू अपनी सहेली के घर से वापस आ रही थी, तो सामने दुकान में वही पिक फ्रॉक टंगी दिखाई दी। मम्मी ने बिना कुछ कहे उसे वह फ्रॉक दिला दी, लेकिन शालू इससे खुश नहीं हुई। चलते-चलते वे लोग उसी जगह पहुंच गए, जहां वह लड़की भीख मांग रही थी। शालू रुक गई। उसने उनके हाथों से फ्रॉक ले ली और उस लड़की को दे आई। फ्रॉक देखकर उस लड़की की आंखें नम हो गई, लेकिन वह कुछ कह नहीं पाई। आज शालू कहने को एक आम लड़की थी, पर उस बेसहारा के लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं..

बाल कविता

घर की रौनक

मुन्नाजी को रसगुल्लों का,
स्वाद बहुत अच्छा लगता है।
खाना गरम समोसे उसके
बाद बहुत अच्छा लगता है।
बापू गरम समोसे लाते,
सबके हृदय कमल, खिल जाते।
पुड़िया खुलती रसगुल्लों की,
झूम झूम उस पर सब जाते।
अम्मा का देना बापू को,
दाद बहुत अच्छा लगता है।
जब-जब गरम जलेबी आती,
दादा की बांछें खिल जातीं
नरम मुंगोड़े अम्माजी से,
दादी घर पर ही बनवाती।
दादाजी करते बचपन की,
याद बहुत अच्छा लगता है।
बड़े बुजुर्गों के रहने से,
घर की रौनक बनी हुई है।
एक सुरक्षा कवच बना है,
सिर पर छतरी तनी हुई है।
घर को देते मिट्ठी पानी,
खाद बहुत अच्छा लगता है।
ढेरम ढेर दुआएं हरदम,
देते रहते जेठे स्याने।
बड़ी जतन से इन्हें रखा है,
घर में बापू ने अम्मा ने।
भरी रहे खुशियों से हरदम,
नाद बहुत अच्छा लगता है।

क्या तुम जानते हो

कीवी पक्षी के पंख नहीं होते

न्यूजीलैंड में पाया जाने वाला कीवी एक ऐसा पक्षी है जिसके पंख नहीं होते। पंख नहीं होने की वजह से यह पक्षी उड़ने में भी सक्षम नहीं होता। यह न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय पक्षी है और वहां के निवासियों को विश्व के अन्य भागों में कीवी नाम से ही बुलाया जाता है।इसी के नाम से मिलता-जुलता एक फल भी होता है।

कीवी, एपटरीगिडे परिवार और एपट्रीक्स जेनस का विश्व में पाया जाने वाला सबसे छोटा जीवित और न उड़ने वाला पक्षी है। कीवी की कुल 5 जाति पाई जाती हैं, जिनमें से 2 को आईयूसीएन के द्वारा अपनी रेड डाटा बुक में असुरक्षित श्रेणी और 1 को एनडेंजर्ड और 1 को क्रिटिकली एनडेंजर्ड श्रेणी में रखा है। इन्हें सबसे ज्यादा नुकसान जंगलों के कटने और घातक कीटनाशकों के प्रयोग से हुआ है। बाकी नुकसान इन्हें शिकारी पक्षियों के द्वारा भी हुआ है, इसीलिए इनके संरक्षण के प्रयास बड़े पैमाने पर किये जा रहे हैं।

आधुनिक शोधों से पता चलता है कि ये शतुरमुर्ग (ऑस्ट्रिच) से सबसे निकटतम रूप से संबंधित होता है। कीवी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी ग्रेट स्पटेड कीवी होती है। कीवी के पंख होते हैं, लेकिन उन्हें सहारा देने वाली कोई भी अस्थि इत्यादि उनके शारीरिक ढांचे में नहीं होता, इसीलिए ये उड़ने में सक्षम नहीं होते। जो पंख होते हैं वो इतने छोटे होते हैं कि शरीर के फरों में ही छिप जाते हैं। कीवी का वजन 1.5 से 3.3 किलो तक होता है। कीवी की चोंच लम्बी होती है। चोंच के किनारे नासालोम (नेजल्स) भी पाए जाते हैं, जिनसे इन्हें अपने शिकार को पकड़ने में मदद मिलती है।

मिल गए दोस्त

कमल और विमल की दोस्ती पूरे स्कूल में मशहूर थी। विमल थोड़ा कान का कच्चा था। एक दिन सोमेश ने विमल के कान में कुछ फुसफुसाकर कहा- तुम्हारी क्रिकेट टीम तुम्हारी वजह से जीतती है, लेकिन इसका श्रेय कमल को मिलता है। सोमेश ने विमल को कमल के खिलाफ भड़काने की कोशिश की।

दरअसल, कमल और विमल न केवल अच्छे दोस्त थे, बल्कि दोनों अपने स्कूल में क्रिकेट के बढिया खिलाड़ी भी थे। अगले सप्ताह स्कूल में एक मैच की प्रतियोगिता होनी थी। सोमेश विपक्षी टीम का खिलाड़ी था। वह जानता था कि दोनों दोस्तों के एक साथ रहते उसकी टीम का जीतना संभव नहीं है। इसलिए उसने विमल को भड़काकर टीम से अलग करने की योजना बनाई। उसने विमल को कमल के खिलाफ खूब भड़काया। अगले दिन कमल ने महसूस किया कि विमल उससे दूर भाग रहा है। उसने इसकी वजह जानने की खूब कोशिश की, लेकिन सब बेकार। दूसरे दिन जैसे ही कमल को टीम का कप्तान बनाने की बात हुई, तो विमल ने इसका विरोध कर दिया। उसने खुद कप्तान बनने की पेशकश की। उनके क्लास टीचर कुछ बोलते, इससे पहले कमल कह उठा, 'सर आप विमल को ही कप्तान बनाइए, क्योंकि यह हमारी टीम का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। लाख समझाने के बावजूद कमल अपनी बात पर अड़ा रहा। अंत में विमल को कप्तान बनाने का निर्णय लिया गया। विमल जल्दी से जल्दी यह खुशखबरी सोमेश को सुनाना चाहता था। इसलिए वह उसके घर चला गया। वह अभी दरवाजा खटखटाने वाला ही था कि भीतर से आती आवाज सुन ठिठक गया। सोमेश कह रहा था, 'हां, यार मैं अपनी योजना में सफल हूं। कमल व विमल के बीच जो दरार पैदा हुई है, उसका अंजाम अब विद्यालय भोगेगा। अब उनकी टीम की जीत पराजय में तब्दील हो जाएगी। यह सुनकर विमल उलटे पांव लौट आया। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह किस मुंह से कमल से माफी मांगे। उसने तुरंत राघव से सारी बात बता दी। यह सुनकर राघव प्रसन्न हुआ और उसने सारी बात कमल को बता दी। कमल ने आकर विमल को गले लगा लिया। विमल ने उसी समय प्रतिज्ञा ली कि अब वह अफवाहों पर ध्यान नहीं देगा। दूसरे दिन सर्वसम्मति से कमल को कप्तानी सौंप दी गई।

सदियों से चली आ रही है जोकर की हंसी

जब भी तुम अपने मम्मी-पापा के साथ किसी सर्कस में जाते होगे तो वहां तुम्हें कुछ मिले या ना मिले लेकिन जोकर जरूर मिलेगा। इतना ही नहीं जोकर ताश के पत्तों में भी बहुत अहम भूमिका निभाता है। जी हां, जोकर इतिहास के पन्नों में दज ह। यह अभी नहीं ना जाने कब से लोगों को हसांने का काम कर रहा है। बस अलग है तो सिर्फ बोलने, हंसने और हसांने का स्टाइल। वहीं बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार रहा करते थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग और अनोखी पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया गया है।

विदूषक- भारत
जेमी- इटली
बोहोक- हंगरी
चोउ- चीन
पयासो- स्पेन
ऑगस्ते- फ्रांस

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने यूएनसी में दोहराई चिंता, आतंकी संगठनों को मिल सकते हैं रासायनिक हथियार

संयुक्त राष्ट्र। भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार प्रतीक माथुर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में सीरिया में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारत बार-बार आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने वाली संस्थाओं और कुछ लोगों द्वारा रासायनिक हथियारों तक पहुंच प्राप्त करने की कोशिश के प्रति आगाह करता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत हमेशा किसी के द्वारा या कहीं भी, किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में किए गए रासायनिक हथियार के इस्तेमाल के खिलाफ रहा है। हमने लगातार कहा है कि रासायनिक हथियारों के उपयोग की कोई भी जांच निष्पक्ष, विश्वसनीय और उद्देश्यपूर्ण होनी चाहिए। इससे पहले यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा था कि जब पश्चिमी पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार शुरू किया तो भारत ने लाखों शरणार्थियों को अपने देश में पनाह दी और नरसंहार से उनकी रक्षा की। तिरुमूर्ति ने कहा, सशस्त्र संघर्ष रोकने, आतंकवाद की रोकथाम और स्थायी शांति की स्थापना से लोगों को अपने देश को छोड़ने को विवश नहीं होना पड़ेगा। हम सरकारी स्तर पर ऐसी नीतियां नहीं बना सकते जहां उन्हें एक देश में प्रताड़ित किया जाए और फिर दूसरे देश में उनको शरणार्थी बनाने का प्रबंध हो। टीएस तिरुमूर्ति ने आगे कहा कि इस मुद्दे पर किसी देश की संप्रभुता की अवधारणा को कम नहीं आंकना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई उस अवधारणा के दायरे में ही हो।

नेपाल में भारतीय सहयोग से बने स्कूलों का उद्घाटन

काठमांडू। नेपाल के सरलाही जिले में भारतीय अनुदान क सहायता से बने दो नए स्कूलों का उद्घाटन किया गया। भारतीय दूतावास के अनुसार बाल गोविंद जनता हायर सेकेंडरी स्कूल, पिपरिया, कबिलासी -2 और श्री जनता सेकेंडरी स्कूल नेत्रगंज,

लालबंदी -1 में स्कूलों का उद्घाटन किया गया है। दूतावास ने यह भी बताया कि स्कूलों को भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता से क्रमशः 6.94 मिलियन और 15.94 मिलियन की कीमत से बनाया गया है। दूतावास ने बताया, 'इस क्षेत्र के मौजूदा स्कूलों में केवल प्राथमिक शिक्षा की सुविधा थी। नेत्रगंज में श्री जनता हायर सेकेंडरी स्कूल का उपयोग शिक्षण प्रबंधन और तकनीकी शिक्षा के लिए भी किया जाएगा। इसके अलावा, चूंकि यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है, मौजूदा बुनियादी ढांचे के लिए क्षेत्र में बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल था। एंबेसी ने आगे कहा खि नए स्कूल भवन ग्रामीण क्षेत्र में सीखने के लिए एक बेहतर माहौल तैयार करेंगे और जिले में शिक्षा के विकास में योगदान देंगे। स्कूलों के लिए इमारतों को एक उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना के रूप में वर्गीकृत किया गया था और भारत और नेपाल और इन्हें सरलाही की जिला समन्वय समिति के बीच एक समझौते के तहत बनाया गया था।

सेवा दिवाली पहल ने 5.90 लाख पाउंड भोजन एकत्र किया, अमेरिका के 240 केंद्रों को किया दान

वाशिंगटन। इस दीवाली के मौसम में, 'सेवा दिवाली' पहल के तहत भारतीय अमेरिकी संगठनों के एक समूह ने 5,90,000 पाउंड से अधिक भोजन एकत्र किया और इसे देश भर में लगभग 240 खाद्य वितरण केंद्रों को दान किया। मीडिया विज्ञप्ति में शुक्रवार को कहा गया कि 31 राज्यों में 200 नगर-क्षेत्रों में फैली हुई सेवा दिवाली पहल, जिसमें 300 से अधिक भारतीय अमेरिकी संगठन शामिल हैं, ने निस्वार्थ सेवा के लिए अपने निरंतर समर्पण को प्रदर्शित किया और एक सामूहिक एवं दूरगामी पहल में साझा उत्सव को शामिल किया। इसमें सभी आयु वर्गों के स्वयंसेवकों को शामिल किया गया और एक व्यापक अमेरिकी आबादी की सेवा की गई। ये संगठन भारतीय उपमहाद्वीप के धार्मिक मूल्यों - हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन के साथ खुद को संरेखित करते हैं। सेवा दिवाली के राष्ट्रीय संयोजक कृष्णमूर्ति वूनीमणि ने कहा, 'यह त्योहार हमें अपने मूल धार्मिक मूल्यों में से एक : संपूर्ण विश्व एक परिवार है, को व्यवहार में लाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

ओलंपिक एवं लोकतंत्र के बहाने चीन-अमेरिका के बीच कूटनीतिक जंग तेज

वाशिंगटन । अमेरिका और चीन के बीच शुरू हुआ वाक युद्ध अब धीरे-धीरे शीत युद्ध की ओर अग्रसर है। अमेरिका के वैश्विक लोकतंत्र और चीन में 2022 में होने वाले शीतकालीन ओलंपक्सि को लेकर दोनों देशों ने एक दूसरे के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। दोनों देशों की इस कूटनीतिक जंग की आंच दुनिया के अन्य मुल्कों पर भी पड़ना शुरू हो गई है। खासकर इसका असर एशियाई मुल्कों पर तेजी से देखा जा रहा है। आखिर अमेरिका और चीन की भूमिका में भारत का क्या स्टैंड है क्या यह कूटनीतिक जंग एक नए शीत युद्ध की दस्तक की आहट है क्या चीन का मकसद दो ध्रुवीय व्यवस्था कायम करने की ओर संकेत है क्या है अमेरिका का वैश्विक लोकतंत्र सम्मेलन इस सम्मेलन से चीन और रूस क्यों खफा है शीतकालीन ओलंपिक्स पर क्या है अमेरिका का स्टैंड इन तमाम मसलों पर जानेंगे वशिष्ठ प्रोफेसर हर्ष वी पंत की राय।

प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि अमेरिका की वैश्विक लोकतंत्र सम्मेलन एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। ऐसा करके अमेरिका ने दुनिया को यह साफ संदेश दिया है कि दुनिया का विभाजन लोकतांत्रिक और गैर लोकतांत्रिक देशों के बीच है। बाइडन प्रशासन का यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है, जब अमेरिका और चीन के बीच तनाव चरम दौर से गुजर रहा है। बाइडन प्रशासन ने इस सम्मेलन में चीन को निमंत्रण नहीं भेजकर इस विभाजन की रेखा को और गहरी कर दिया है। बाइडन की नजर दक्षिण एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई मुल्कों पर टिकी है। आकस और क्वाड का गठन इस क्रम में देखा जा सकता है। बाइडन चीन को दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में अलग-थलग करना चाहते हैं।

बाइडन से उम्मीद की जा रही थी कि वह सत्ता में आने के बाद चीन के साथ रिश्तों में सुधार करेंगे, लेकिन बाइडन और चीन की अब तक कोई बैठक नहीं हुई। हालांकि, दोनों नेताओं की बीच वर्चुअल बैठक हुई, लेकिन वह बेनतीजा रही। चीन ताइवान और दक्षिण चीन सागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी योजना से टस से मस नहीं हो रहा है। दरअसल, चिनफिंग और बाइडन के बीच हुई वर्चुअल बैठक बेनतीजा रहने के बाद बाइडन प्रशासन ने शायद यह तय कर लिया है कि चीन को कूटनीतिक मोर्चे पर शिकस्त देना है। चीन को दुनिया के अन्य मुल्कों से अलग-थलग करना है। लोकतंत्र पर चीन के बहिष्कार को इसी कड़ी के रूप में देखना चाहिए।

विदेशी मोर्चे पर बाइडन प्रशासन की असफलताओं और उनकी लोकप्रियता के गिरते ग्राफ के बीच वैश्विक लोकतंत्र सम्मेलन के जरिए वह चीन के समक्ष अपनी महाशक्ति होने का प्रदर्शन कर रहे हैं। सौ से अधिक देशों को इस सम्मेलन में आमंत्रित करके अमेरिका चीन को यह संदेश देना चाह रहा है कि दुनिया में अभी भी लोकतांत्रिक देश उसके साथ हैं। इसके साथ वह एक संदेश देने के फिराक में होगा कि अमेरिका लोकतांत्रिक देशों के साथ हैं। खासकर उन देशों के लिए यह संदेश है कि जिनका चीन के साथ सीमा टकराव चल रहा है। उधर, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने बाइडन की मेजबानी में होने जा रहे वैश्विक लोकतंत्र सम्मेलन की कड़ी निंदा की है। उसकी खिल्ली उड़ाई है। उसने अमेरिकी व्यवस्था का उपहास किया है। चीन ने अमेरिकी लोकतंत्र पर सवाल उठाए हैं। ड्रैगन ने सवाल किया है कि एक ध्रुवीकृत देश दूसरों को उपदेश कैसे दे सकता है। कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा कि दूसरों को पश्चिमी लोकतांत्रिक माडल की नकल करने के लिए मजबूर करने के प्रयास बुरी तरह विफल हुए हैं। पार्टी ने कहा कि महामारी ने अमेरिकी व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। उन्होंने अमेरिका में कोरोना महामारी से बड़ी संख्या में लोगों की मौत के लिए राजनीतिक विवादों और ऊपरी से लेकर निचले स्तर तक विभाजित सरकार को जिम्मेदार बताया। इस प्रकार का लोकतंत्र मतदाताओं के लिए खुशियां नहीं, बल्कि तबाही लेकर आता है।

2021 में दुनिया भर में 4,400 से अधिक प्रवासियों की हुई मौत, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने जारी की रिपोर्ट

बर्लिन। प्रवासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने कहा है कि 2021 में 4,470 से अधिक प्रवासियों की सीमाओं के पार जाते समय मौत हो गई है, जो पिछले साल सामने आए आंकड़े से 200 मौतें ज्यादा है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'हर साल दुनिया भर में प्रवास यात्रा के दौरान जीवन के दुखद नुकसान को कम करने के लिए ठोस कार्रवाई के लिए बार-बार आवाज उठाने के बावजूद, 2021 में मरने वालों की संख्या 4,470 को पार कर गई है।'

2014 के बाद से, कुल मरने वालों की संख्या 45,400 प्रवासियों तक पहुंच गई है। वैश्विक स्तर पर, 2021 में मौतों की संख्या पहले ही 2020 में

दर्ज कुल 4,236 से अधिक है।

आईओएम के ग्लोबल माइग्रेशन डेटा एनालिसिस सेंटर (जीएमडीएसी) के निदेशक फ्रैंक लैक्जको ने कहा,कोविड-19 का मतलब मानव गतिशीलता में अभूतपूर्व कमी है, लेकिन लापता प्रवासी परियोजना अभी भी लगभग हर दिन मौतों का दस्तावेजीकरण करती है। कहा गया कि दर्जनों देश प्रवासन के लिए ग्लोबल काम्पेक्ट के लिए प्रतिबद्ध हुए, लेकिन बहुत कम समूह ने लापता प्रवासियों पर जीवन बचाने और समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रयास स्थापित करने के उद्देश्य 8 पर काम किया है। आईओएम देशों से बेहतर जीवन की तलाश में लोगों के सामने आने वाले जोखिमों को कम करने के लिए नीति और अभ्यास विकसित करने का आग्रह करता रहता है।

आईओएम ने आगे जोर देकर कहा कि प्रवासियों से जुड़े बड़े पैमाने पर घातक घटनाएं काफी हद तक सामान्य हो गई हैं और संस्था ने राष्ट्रों से प्रवास के जोखिम को कम करने के लिए नीतियों पर काम करने का आह्वान किया है।

हांगकांग में मीडिया टॉयकून जिमी लाई को 'तियानमेन जुलूस' के लिए ठहराया गया दोषी

हांगकांग। हांगकांग के मीडिया टायकून व प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता जिमी लाई और दो अन्य को शहर में असंतोष फैलाने और पिछले साल के प्रतिबंधित तियानमेन कैंडल लाइट जुलूस में उनकी कथित भूमिका के लिए बृहस्पतिवार को दोषी ठहराया गया। बीजिंग के कड़े राजनीतिक नियंत्रण के बीच इस कार्यक्रम का

आयोजन वर्तमान में निष्क्रिय पड़े संगठन 'हांगकांग एलायंस इन सपोर्ट ऑफ पैट्रियटिक डेमोक्रेटिक मूवमेंट्स ऑफ चाइना' के उपाध्यक्ष चाउ हांग-तुंग ने किया था।जिमी लाई और कार्यकर्ता एवं पूर्व रिपोर्टर ग्वेनेथ हो कोचाउ हांग-तुंग के साथ 2020 में कैंडल लाइट जुलूस में शामिल होने या दूसरों को उकसाने के लिए दोषी ठहराया गया। वे उन 24 कार्यकर्ताओं में शामिल हैं, जिन पर पिछले साल चार जून को पुलिस की चेतावनी के बावजूद कानून तोड़कर विक्टोरिया पार्क में अनधिकृत रूप से जमा होने तथा कार्यक्रम के आयोजन में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाये गए थे।

म्यांमार में लोगों ने खुद को घर में कैद कर किया सेना का विरोध

बैंकाक। में सैन्य शासन का विरोध अनूठे तरीके हुआ। लोगों ने खुद को घर में कैद कर विरोध प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर इस विरोध को 'साइलेंट स्ट्राइक' नाम दिया गया था। इस प्रदर्शन में समूचा देश साथ दिखा। सुबह 10 बजे से शाम के चार बजे तक लोग घरों में ही रहे। दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा।

यह प्रदर्शन मंगलवार को देश के सागाइंग क्षेत्र में सैनिकों द्वारा कथित रूप से मौत के घाट उतारे गए 11 नागरिकों के मिलने के विरोध में किया गया। ग्रामीणों को इन नागरिकों के जले हुए शव मिले थे। इस घटना से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। वहीं, सेना ने सफाई देते हुए कहा है कि सैनिकों ने नागरिकों की हत्या नहीं की है। सेना ने इस घटना को फर्जी करार दिया और कहा कि इंटरनेट मीडिया पर दिखाई जाने वाली जानकारियां झूठी और सेना को बदनाम करने की साजिश है।

सोशल मीडिया पर

वायरल हुई तस्वीरें

म्यांमार की तानाशाह सेना अपने ही देश के नागरिकों का नरसंहार कर रही है। इस क्रम में सैनिकों ने सेना के काफिले पर हुए हमले के प्रतिशोध में देश के उत्तर-पश्चिमी इलाके में सगाइंग क्षेत्र के डोने ताव गांव में छापेमारी की। कुछ ग्रामीणों को पकड़ कर सेना ने उनके हाथ-पांव बांध दिए और उन्हें जिंदा जला दिया। इस बर्बरता की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि ग्रामीणों की हत्या कर उन्हें आग के हवाले करने के तुरंत बाद ही उन तस्वीरों को लिया गया था। हालांकि, अभी तक इन तस्वीरों और वीडियो की कोई पुष्टि नहीं हुई है। मंगलवार को हमले के बाद सोशल मीडिया पर आए वीडियो में 11 ग्रामीणों के जले हुए शव दिख रहे हैं। माना जा रहा है कि इनमें कुछ किशोर भी थे।

दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन के गंभीर होने के संकेत नहीं

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में अभी कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के गंभीर होने के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और इसको देखते हुए सरकार ने बूस्टर डोज लगाने की योजना की भी घोषणा की है।

दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल के आंकड़े बता रहे हैं कि संक्रमण के तेजी से फैलने से मरीजों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन मौतें नहीं बढ़ रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जो फाहला ने भी कहा कि संक्रमण के तेज प्रसार से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ओमिक्रोन के गंभीर होने से नहीं। वियतनाम में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के रिकार्ड 14,819 नए मामले मिले हैं और 216 लोगों की मौत हुई है। इटली में संक्रमण के 20,497 मामले मिले और 118 लोगों की मौत हो गई। एक दिन पहले 79 लोगों की जान गई थी, जबकि 12,527 नए संक्रमित मिले थे। दक्षिण

कोरिया में भी कोरोना संक्रमण के मामले फिर बढ़ने लगे हैं।

लगातार तीन दिनों से मामलों में वृद्धि हो रही है। शुक्रवार को सात हजार केस मिले जो महामारी के सामने आने के बाद एक दिन में पाए गए मरीजों की सबसे अधिक संख्या है।

60 से अधिक देशों में लगाई जा रही है बूस्टर डोज

कोरोना के नए ओमिक्रोन वैरिएंट के सामने आने के बाद देश में वैक्सीन की बूस्टर डोज की जरूरत पर बहस तेज हो गई है।

दो हफ्ते में ही 59 देशों में फैला ओमिक्रोन

नया वैरिएंट ओमिक्रोन तेजी से फैल रहा है। दो हफ्ते में ही ओमिक्रोन वैरिएंट 59 देशों में फैल गया है।

नासा ने ब्लैक होल और विस्फोट करने वाले तारों आदि के अध्ययन के लिए एक्स रे मिशन किया लांच

वाशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक नए एक्स रे मिशन (आईएक्सपीई) को आज दोपहर लांच किया है। यह मिशन अंतरिक्ष में होने वाली कई रहस्यमयी घटनाओं को उजागर करने के लिए मददगार साबित होगा। इससे ब्लैक होल, सुपरनोवा और ब्रह्मांड की प्रकृति के बारे में कई अहम जानकारी सामने आने पूरी मदद मिलेगी। आज दोपहर करीब एक बजे स्पेस एक्स कंपनी के फॉल्कन 9 के रॉकेट की मदद से नासा के केनेडी स्पेस सेंटर फ्लोरिडा से

लांच किया गया है। यह मिशन नासा और इटली की अंतरिक्ष एजेंसी का संयुक्त कार्यक्रम है।

इस खास अवसर पर नासा की तरफ से जानकारी देते हुए कहा गया कि आईएक्सपीई एक्स-रे मिशन सुबह 1 बजे लांच हो गया है। साथ ही कहा कि यह मिशन अंतरिक्ष में होने वाली रहस्यमयी घटनाओं जेसे ब्लैक होल और न्यूट्रॉन तारे आदि की जानकारी जुटाने में मददगार साबित होगा। हालांकि, आईएक्सपीई नासा के एक्स रे टेलिस्कोप चंद्र एक्स-रे की तरह बड़ा और मजबूत नहीं है। लांच के खास मौके पर आईएक्सपीई के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर मार्टिन वेसकॉफ ने बताया कि इस मिशन की शुरुआत एक्स-रे एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएक्सपीई मिशन से अंतरिक्ष में कॉस्मिक एक्स-रे के सटीक प्रकृति और मूल की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

रूस, चीन और ईरान पर चर्चा के लिए जुटे जी 7 के विदेश मंत्री

लंदन। दुनिया के सात धनी देशों जी 7 के विदेश मंत्रियों ने ब्रिटेन के लिवरपूल शहर में दुनिया के ज्वलंत विषयों पर विचार विमर्श शुरू कर दिया। विदेश मंत्रियों के बीच यह चर्चा दो दिन तक चलेगी। चर्चा की शुरुआत में ही इन देशों ने रूस को संकेत दे दिया है कि अगर उसने यूक्रेन पर आक्रमण किया तो गंभीर आर्थिक प्रतिबंध झेलने के लिए तैयार रहे। शाम ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और जी 7 के अपने अन्य समकक्षों का स्वागत किया। यहां पर ये सभी लोग दो दिन तक दुनिया के विभिन्न मुद्दों पर वार्ता करेंगे और शांति व स्थिरता कायम रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से यूक्रेन सीमा पर रूस के फौजी जमावड़े, हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत और ईरान के परमाणु हथियार बनाने के बढ रहे प्रयास पर चर्चा होगी। साथ ही दुनिया में कोरोना संक्रमण की स्थिति और प्रभावित देशों में टीकाकरण की स्थिति पर भी चर्चा होगी। जी 7 में ब्रिटेन और अमेरिका के अतिरिक्त कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। चालू वर्ष के लिए ब्रिटेन इस समूह का अध्यक्ष है। ट्रूस ने इसी सप्ताह चेताया था कि विएना में हो रही वार्ता ईरान के साथ 2015 में हुआ परमाणु समझौता पुनर्जीवित करने का आखिरी मौका है।

अगर यह वार्ता सफल नहीं होती है तो अन्य वैकल्पिक कदमों पर विचार किया जाएगा। ब्रिटेन की इस चेतावनी के बावजूद ईरान के तेवर ढीले नहीं पड़े और विएना में पिछले हफ्ते दोनों पक्षों की स्थगित हुई वार्ता शुरू नहीं हो सकी है। इस बीच ईरान का परमाणु हथियार बनाने के लिए यूरेनियम शोधित करने का प्रयास जारी है।

उल्लेखनीय है कि 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस समझौते से हटने और ईरान पर प्रतिबंध लगाने से यह समझौता खटाई में पड़ गया था। अब अमेरिका फिर से इससे जुड़ने के लिए तैयार है लेकिन ईरान पहले प्रतिबंध हटाए जाने पर अड़ा है। ट्रूस ने रूस को भी चेतावनी दी थी कि यूक्रेन के खिलाफ किसी तरह की सैन्य कार्रवाई रूस के लिए रणनीतिक गलती होगी, जिसकी उसे बहुत बड़ी आर्थिक और कूटनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने भी रूस को इसी तरह की चेतावनी दी है।

ट्रिब्यूनल ने शी चिनफिंग को उइगर मुस्लिमों के संहार का जिम्मेदार बताया, चीन का आरोपों से इन्कार

बीजिंग। वकीलों और अभियानकर्ताओं के एक अनौपचारिक ट्रिब्यूनल ने शिनजियांग प्रांत में नरसंहार, उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न और मानवता के प्रति अपराध के लिए प्राथमिक रूप से चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि चीन ने लंदन स्थित इस ट्रिब्यूनल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह सरासर गलत है। चीनी प्रशासन ने कहा कि यह सभी आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और मुट्ठी भर लोगों की साजिश का नतीजा हैं। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि चीन में उइगर मुसलमानों के नरसंहार की बात एकदम बेबुनियाद है। ब्रिटेन के उइगर मामलों संबंधी ट्रिब्यूनल ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा कि चीनी गणराज्य ने नरसंहार किए हैं और अल्पसंख्यक उइगर मुसलमानों को क्रूरता से प्रताड़ित किया है। चीन के उत्तर पश्चिमी प्रांत शिनजियांग में सरकार ने अल्पसंख्यक और मूल नागरिक पर अमानवीयता की हदें पार करके अत्याचार किया है। ब्रिटिश वकील जेफरी नाइस की अध्यक्षता में बने ट्रिब्यूनल के मुताबिक उन्हें इस बात का संतोष है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग और सरकार व चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी के अन्य सदस्य शिनजियांग में हो रहे कृत्यों की प्राथमिक जिम्मेदारी लेते हैं। शिनजियांग में रहने वाले अधिकांश उइगर

मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने वाले विश्व के उइगर मुसलमानों के समूह वर्ल्ड उइगर कांग्रेस (डब्ल्यूयूसी) ने वर्ष 2020 में जेफरी नाइस से शिनजियांग में रोहिंग्याओं के नरसंहार पर ट्रिब्यूनल बनाने की अपील की थी। बाइडन और ट्रंप शासन में कई अमेरिकी सांसदों ने भी इस ट्रिब्यूनल का समर्थन किया था। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका समेत 43 देशों ने शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों के उत्पीड़न को लेकर चीन की निंदा की थी। इन देशों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर कर चीन में बंदी शिविरों में हो रहे उत्पीड़न पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की मानवाधिकार समिति की बैठक में यह बयान फ्रांस के राजदूत निकोलस डी रिवियर ने पढ़कर सुनाया। यही नहीं 43 देशों की ओर से बैठक में मांग की गई कि चीन संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार पर्यवेक्षकों को शिनजियांग प्रांत के दौरे की अनुमति दे।

भारतीय जहाज ने बचाई 4 श्रीलंकाई मछुआरों की जान

कोलंबो। मछली पकड़ने वाले एक भारतीय जहाज ने चार श्रीलंकाई मछुआरों की जान बचाई, उनकी नौका गहरे पानी में फंस गई थी। भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीय मिशन ने दोनों देशों के बीच सद्भावना एवं दोस्ती को रेखांकित करते हुए बताया कि श्रीलंका की मछली पकड़ने वाली नौका लूलू-01, पंजीकरण संख्या आईएमयूएल-ए-0039-टीएलई '' दो दिसंबर 2021 को गहरे पानी में फंस गई थी।''

बयान में कहा गया, '' मछली पकड़ने वाली एक भारतीय नौका पर सवार लोगों ने उसे चेन्नई के उत्तर में 24 समुद्री मील पर देखा। श्रीलंकाई नौका पर सवार लोगों की सुरक्षा के लिए वे उनकी ओर बढ़े और फिर उसे खींचते हुए तमिलनाडु के कट्टूपल्ली में अडानी पोर्ट पर सुरक्षित ले आए।'' भारतीय मिशन ने बयान में कहा, '' श्रीलंकाई नौका पर सवार चालक दल के चारों सदस्य सुरक्षित हैं और भारतीय अधिकारियों ने उन्हें जरूरी मदद मुहैया कराई हैं। ''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब मैं पैदा हुआ था तब प्रोजेक्ट हुआ था मंजूर मैं बड़ा हो गया पर ये पूरा नहीं हुआ: योगी आदित्यनाथ

बलरामपुर ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी के बलरामपुर पहुंचकर लोगों को 9 हजार 800 करोड़ रुपये की लागत में तैयार हुए सरयू-रासी मुख्य नहर परियोजना का शुभारंभ किया। पीएम के बटन दबाने के साथ ही सरयू नहर में पानी का संचालन शुरू हो गया। उस मौके पर पीएम मोदी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद थे। उद्घाटन के दौरान दिए अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ÷सरयू नाहर राष्ट्रीय परियोजना को मेरे जन्म के वर्ष 1972 में स्वीकृत किया गया था। मैं बड़ा हुआ लेकिन यह कभी पूरा नहीं हुआ।÷ उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरे होने में इतना वक्त केवल इसलिए लगा क्योंकि उस वक्त की सरकार चाहे वो कांग्रेस, सपा या बसपा की रही हो किसी ने इसमें खास रुचि नहीं ली। नतीजतन 40 सालों के बाद भी यह परियोजना आधी से भी कम पूरी हो पाई थी। योगी ने आगे कहा, ÷ लेकिन केंद्र और प्रदेश में बीजेपी सरकार ने इस परियोजना में दिलचस्पी दिखाई और हमारी सरकार आने के बाद परियोजना पूरी हो गई। उन्होंने पीएम की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य के स्वास्थ्य व्यवस्था में भी काफी सुधार आया है। सीएम ने कू एप पर कहा, ÷दिमागी बुखार रहा हो, चाहे वह मलेरिया हो, कालाजार है, डेंगू है, चिकनगुनिया है, ये आम बीमारियां थीं। इनका उपचार नहीं होता था। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने गोरखपुर में 'वायरल रिसर्च सेंटर' का लोकार्पण कर इस प्रकार की बीमारियों की जांच का केन्द्र बना दिया है।बता दें कि इस परियोजना का लाभ क्षेत्र के 30 लाख किसानो को होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने भी राज्यपाल और सीएम योगी का अभिवादन किया और बलरामपुर की जमकर तारीफ भी की। पीएम ने कहा कि बलरामपुर के लोगों ने दो भारत रत्न दिए। पीएम मोदी ने सीडीएस बिपिन रावत को श्रद्धांजली देते हुए कहा कि देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत का जाना हर भारतप्रेमी और राष्ट्रभक्त के लिए बड़ी क्षति है। जनरल रावत ने देश की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने सहित तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बैठाने का काम बखूबी किया था।

नई दिल्ली। गाजीपुर बॉर्डर पर शनिवार को धरना समाप्त करने के बाद पंडाल एवं टेंट हटाते किसान।

दिल्ली की तरह मुंबई में भी तेजी से बढ़ रहा है प्रदूषण

मुंबई।

दिल्ली की तरह मुंबई शहर और इसके आस-पास के इलाकों में प्रदूषण तेजी से बढ़ता जा रहा है. मुंबई में सर्दी नहीं पड़ती है, लेकिन फिर भी यहां सुबह के वक्त कई इलाकों में धुंध छाई हुई दिखाई देती है. हालांकि मुंबई में प्रदूषण बढ़ने के कारण कुछ और हैं. यहां प्रदूषण आस-पास के इलाकों के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने की वजह से नहीं है. यहां प्रदूषण का कारण है अलग-अलग ठिकानों में इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स के निर्माण से उठने वाली धूल, यहां प्रदूषण का कारण है चौबीसों घंटे सड़कों पर चलने वाली गाड़ियां. यानि धुंध, धूल और धुएं मिल कर प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहे हैं. इससे मुंबईकरों को स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. मुंबई में प्रदूषण खासकर अनलॉक के बाद बढ़ना शुरू हुआ है. शुक्रवार को मुंबई के कोलाबा, मझगांव, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और मालाड में हवा की गुणवत्ता बहुत ज्यादा खराब दर्ज की गई है. बताया गया है कि भारत के 24 प्रमुख शहरों के मुकाबले मुंबई में सबसे ज्यादा पीएम-10 पाए जा रहे हैं. पीएम-10 को पर्टिकुलेट मैटर कहते हैं. इन कणों का साइज 10 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है. इसमें धूल, गर्दा, धातु के सूक्ष्म कण शामिल होते हैं.

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं : राज्यपाल

तिरूवनंतपुरम। केरल के विश्वविद्यालयों को लेकर एलडीएफ सरकार पर प्रहार जारी रखते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप को वह बर्दाश्त नहीं कर सकते। राज्यपाल ने शनिवार को नई दिल्ली में कही।एक दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र लिखकर विश्वविद्यालयों में कथित राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर अप्रसन्नता जाहिर की थी। कड़े शब्दों में लिखे पत्र में राज्यपाल ने विजयन को सूचित किया है, कि यदि मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति बनने के उद्देश्य से अधिनियम में संशोधन के लिए अध्यादेश लाया जाता है,तब वह उस पर तुरंत हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को विश्वविद्यालयों के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए,उनकी स्वायत्ता को बाधित नहीं करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के तौर पर उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों में स्वायत्ता लाने का काफी प्रयास किया। खान ने कहा, ''मैंने उन्हें यह समझाने का काफी प्रयास किया कि आपको विश्वविद्यालयों के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

शरद पवार ने 25 साल पहले बताया था बीजेपी का सच शिवसेना को ही देर से हुआ अहसास- संजय राउत

नई दिल्ली ।

शिवसेना ने दो दशक से अधिक समय तक दोस्ती के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को विभाजनकारी बताया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख ने तो 25 साल पहले ही बीजेपी को विभाजनकारी बता दिया था, लेकिन हमें इसका अहसास दो साल पहले ही (2019 में) हुआ। शिवसेना ने 2019 में विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी से दोस्ती तोड़कर एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। दोनों दलों की यह दोस्ती मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर टूटी। शरद पवार के द्वारा राजनीतिक रैलियों में दिए गए भाषणों के संकलन 'नेमकेची बोलाने' के विमोचन के अवसर पर शिवसेना सांसद राउत ने कहा, ''करीब 25 साल पहले शरद पवार ने कहा था कि बीजेपी देश में एकता नहीं चाहती है।

इसका तरीका विभाजनकारी है। हमने दो साल पहले इसका अहसास किया। उन्होंने यह भी कहा था कि बीजेपी की नीतियां प्रतिगामी हैं जो देश को पीछे ले जाएंगी। हालांकि, हमें इसे महसूस करने में बहुत समय लगा। किताब के शीर्षक का जिक्र करते हुए, जिसका मोटे तौर पर अर्थ 'संक्षिप्तता के साथ बोलना' है, राउत ने कहा, ''किताब का नाम इतना अच्छा है कि हमें इसे पीएम मोदी को गिफ्ट करना चाहिए। उन्हें कुछ चीजें जानने की आवश्यकता है।राउत ने कहा कि संसद का सेंट्रल हॉल विभिन्न दलों के नेताओं और वरिष्ठ पत्रकारों के बीच बैठकों के लिए जाना जाता था, जहां विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होती थी। लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि जो सवाल उठाते हैं उनका विरोध किया जाता है और मुंह बंद कर दिया जाता है। राउत ने कहा सवाल उठाने के बुनियादी अधिकारों से इनकार बहुसंख्यकवाद का मार्ग प्रशस्त करता है। राज्यसभा सांसद ने कहा, ''पवार ने कुछ सालों पहले यह कह दिया था, लेकिन अब हमने इसे हकीकत में बदलते देखा है।

विपक्षी दलों के कई नेता भाजपा में हुए शामिल

मोदी सरकार के आने के बाद देश में अद्वितीय परिवर्तन हुए हैं-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता की उपस्थिति में आज कांग्रेस निगम पार्षद एवं करावल नगर जिला अध्यक्ष (महिला) श्रीमती अमरलता सांगवान ने अपने अन्य पदाधिकारियों सहित 200 से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ आज भाजपा की सदस्या ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष ने पटका पहनाकर श्रीमती सांगवन का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा का परिवार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसी कड़ी में आज प्रदेश भाजपा करावल नगर क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो गई है। श्री गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मार्गदर्शन में भाजपा शासित निगम एवं देश दिन-प्रतिदिन विकास के रास्ते पर अग्रसर है। आज केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और कामों की वजह से सभी वर्गों को इसका लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश में जब से भाजपा की मोदी सरकार आई है, तबसे एक अद्वितीय परिवर्तन हुआ है, हर भारतीय का मान-सम्मान विदेशों में भी सुरक्षित रहे, इसके लिए भाजपा हमेशा से संवेदनशील है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल, विधायक अजय महावर, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, जिला प्रभारी सत्यनारायण गौतम, जिला अध्यक्ष मोहन गोयल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि 8 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर देना अपने आप में इतिहास है। 'झुग्गी सम्मान यात्रा' के दौरान उन महिलाओं को जिनके पास चुल्हे की व्यवस्था नहीं थी, उन्हें चुल्हा, मुफ्त गैस सिलेंडर के साथ दो लाख रुपये का बीमा देने का काम केंद्रीय शहरी एवं विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पूरी के निर्देश पर किया गया। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, रेहड़ी पटरी को लोन देने की बात हो, इन सभी योजनाओं से हर वर्ग के बीच समान रुप से बिना किसी भेद-भाव के वितरीत करने का काम किया गया।

भाजपा गैर राजनीतिक मंच का इस्तेमाल सियासी मकसद पूरा करने के लिए कर रही है - अखिलेश यादव

नई दिल्ली।

यूपी के सरकारी समारोह में सरयू नहर परियोजना के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी द्वारा राजनीतिक हमला किए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी गैर राजनीतिक मंच का इस्तेमाल सियासी मकसद पूरा करने के लिए कर रही है। अखिलेश ने कहा कि परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए सरकारी बसों में भर-भर कर भीड़ को जुटाया जा रहा है। लेकिन पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनात इन्हीं मंचों से राजनीतिक हमले कर रहे हैं। अखिलेश ने सवाल किया कि क्या पहले ऐसे कभी किसी राजनीतिक दल ने ऐसे सरकारी बसों का इस्तेमाल किया। क्या किसी जिलाधिकारी ने पत्र लिखकर बसों की मांग की और लोगों को इकट्ठा किया। ये राजनीतिक रैलियां हैं। क्या बीजेपी कोई सियासी रैली अभी तक करने में कामयाब हो पाई है क्या ? अखिलेश ने कहा है कि समाजवादी पार्टी की रैलियों में भीड़ अपनेआप आ रही है। जबकि बीजेपी की रैलियों में भीड़ को सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके जुटाया जा रहा है। इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को 9,800 करोड़ रुपये की सरयू नहर परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रतिद्वंद्वी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इंतजार कर रहे थे कि कब कोई इस परियोजना का क्रेडिट लेने के लिए दावा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी का यह कमेंट समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने दावा किया था यह योजना सपा सरकार के समय में ही तीन चौथाई बन चुकी थी। प्रधानमंत्री ने बलरामपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, जब मैं आज दिल्ली से चला तो सुबह से इंतजार कर रहा था कि कब कोई आएगा, कहेगा कि मोदी जी इस योजना का फीता तो हमने काटा था, ये योजना तो हमने शुरू की थी। कुछ लोग हैं जिनकी आदत है ऐसा कहने की, हो सकता है कि बचपन में इस योजना का फीता उन्होंने ही काटा हो। उन्होंने कहा कि सरयू नहर परियोजना में जितना काम 5 दशक में हो पाया था, उससे ज्यादा काम हमने 5 साल से पहले करके दिखाया है। यही डबल इंजन की सरकार है। यही डबल इंजन की सरकार के काम की रफ्तार है। इससे पहले, आज सुबह समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा, सपा के समय तीन चौथाई बन चुकी 'सरयू राष्ट्रीय परियोजना के शेष बचे काम को पूर्ण करने में उप्र भाजपा सरकार ने पांच साल लगा दिए।

गोवा में बड़ा चुनावी वादा

हर महीने महिलाओं को 5 हजार रुपए देंगे ममता की पार्टी का गोवा में बड़ा चुनावी वादा

नई दिल्ली ।

तृणमूल कांग्रेस ने गोवा में महिलाओं के लिए डायरेक्ट कैश ट्रांसफर योजना का वादा किया और कहा कि अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी अगर सत्ता में आती है तो इस योजना को लागू किया जाएगा। इसके तहत महिलाओं को पांच हजार रुपए दिए जाएंगे। तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा ने बताया कि इस योजना का नाम %गृह लक्ष्मी% रख गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर की एक महिला को हर महीने 5 हजार रुपए सीधे उनके खाते में हस्तांतरित किए जाएंगे ताकि महंगाई से निपटने में उन्हें मदद मिले। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी जल्दी ही योजना के लाभुकों के बीच कार्ड का वितरण शुरू करेगी। इस कार्ड में एक पहचान संख्या होगी और तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद इसका कार्यान्वयन शुरू हो जाएगा। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने घोषणा की है कि यह प्रदेश में सभी 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तृणमूल कांग्रेस की गोवा की सह प्रभारी महुआ ने कहा, %%प्रदेश के साढे तीन लाख घरों की महिलाओं को गृहलक्ष्मी योजना में शामिल किया जाएगा और अधिकतम आय की व्यवस्था इस योजना पर लागू नहीं होगी जो भाजपा सरकार की मौजूदा गृह आधार योजना में शामिल है।

मोइत्रा कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा योजना के तहत गोवा में महिलाओं को 1500 रुपए प्रति महीना दिया जा रहा है और इसमें केवल डेढ़ लाख घरों को कवर किया गया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी सत्ता में आती है तो महिलाओं को मिलने वाली इस राशि में एक हजार रुपये की बढोत्तरी कर इसे 2500 रुपये कर दिया जाएगा। शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने पार्टी के सत्ता में आने पर महिलाओं को नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण देने का वादा किया है।

संक्षिप्त समाचार

महामारी की तीसरी लहर का कारण बन सकता है ओमिक्रॉन

- मुंबई में 'ओमिक्रॉन' की दहशत, दो दिनों के लिए धारा 144 लागू

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका से सबसे पहले पाए गए कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा पूरे विश्व समेत भारत में भी बढ़ता जा रहा है. पिछले कई दिनों से भारत में भी इसके मामले लगातार बढ़ रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में अब तक ओमिक्रॉन वेरिएंट के 17 मामले दर्ज किए गए हैं. इनमें मुंबई में 3 मामले शामिल हैं. ओमिक्रॉन के चलते मुंबई में 2 दिनों के लिए धारा 144 लागू की गई है. शहर में 12 दिसंबर को धारा 144 लागू रहेगी. इस दौरान किसी भी प्रकार की रैली और प्रदर्शन पर रोक रहेगी. साथ ही आदेश का पालन नहीं करने पर आईपीसी की धारा 188 और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत मुंबई पुलिस कार्रवाई करेगी. संक्रमण को रोकने के लिए रैली, मोर्चा या जुलूसों पर रोक लगाई गई है. बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने दो कारणों से शहर में धारा 144 लागू करने का फैसला किया है. पहला ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की एक रैली तय थी. इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत कई कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद थी. पुलिस ने ओवैसी को रैली की अनुमति नहीं दी है. दूसरा कारण, भाजपा ने संजय राउत के बयान के खिलाफ प्रदर्शन की योजना बनाई थी. बहरहाल ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य अधिकारियों, डॉक्टर्स की चिंता बढ़ा दी है. उन्हें डर है कि कहीं ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा से भी खतरनाक साबित हो सकता और महामारी की तीसरी लहर का कारण बन सकता है.

टीकरी बॉर्डर से घर लौट रहे पंजाब के दो किसानों की सड़क हादसे में मौत

हिसार । हरियाणा के हिसार जिले में एक ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच टक्कर में ट्रॉली में सवार दो किसानों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि यह घटना हिसार जिले के धंदूर गांव में हुई। उन्होंने बताया कि ये किसान पंजाब के मुक्तसर जिले के रहने वाले थे और किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद दिल्ली के टीकरी बॉर्डर से अपने घरों को लौट रहे थे। हिसार के पुलिस इंस्पेक्टर कप्तान ने बताया कि ट्रक ने ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी जिससे इस हादसे में दो किसानों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि जब यह हादसा हुआ उस समय ट्रैक्टर ट्रॉली पर पांच लोग सवार थे। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना में एक व्यक्ति की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मृतक किसानों की उम्र 40 और 34 वर्ष है। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने पिछले साल 26 नवंबर को दिल्ली सीमा बिंदुओं पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), 40 फार्म यूनियनों के एक छत्र निकाय ने घोषणा की थी कि किसान 11 दिसंबर को दिल्ली की सीमाओं पर धरना स्थलों से घर वापस लौट जाएंगे। घोषणा के बाद किसान शनिवार को बड़े काफिले के साथ घर लौटने लगे हैं।

नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर अखिलेश पर किया तंज, वहां दंगातंत्र के पुजारी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में जुटे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को मेरठ में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि संगठन का विकास, संगठन का विस्तार, नीचे स्तर तक विचारधारा को पहुंचाने का काम भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया है। आप लोगों में जो उत्साह, निष्ठा और संघर्ष करने की तमन्ना मैं देख रहा हूं, मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी को विजयश्री जरूर दिलाएगा।इस दौरान विपक्ष पर तंज सकते हुए नड्डा ने कहा कि जब कोरोना शुरु हुआ,तब सभी राजनीतिक पार्टियां आइसोलेशन में चली गईं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता जान हथेली पर लेकर राष्ट्र की सेवा में निकल गया। नड्डा ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियां किसी ने किसी जाति, धर्म, समुदाय की वोटबैंक की राजनीति कर रही हैं। ये देश के लिए बहुत बड़ा खतरा है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, इस बात पर विश्वास करती है। अखिलेश यादव पर हमला कर उन्होंने कहा कि यहां एक नेता है, जो कह रहे थे कि ये मोदी की वैक्सीन है, ये भाजपा की वैक्सीन है,इस मत लगाना। आज मैं उनसे पूछता हूं कि कैसी लगी मोदी की वैक्सीन, जल्द ही तुम्हारी लाल टोपी भी केसरिया होने वाली है।यूपी की योगी सरकार ने किसानों को 1.41 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड गन्ने का भुगतान किया है। पुरानी सरकार का भी बकाया 11 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

हिमाचल सरकार के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस के लिए ही मजाक बन गया

शिमला। भाजपा सह मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस बेतुके मुद्दों पर लगातार वाक आउट कर रही है, कांग्रेस केवल एक पोलिटिकल स्टंट पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास ना कोई मुद्दा, नीति है और ना ही कोई नेता, वर्तमान समय में कांग्रेस के हर जिले से एक मुख्यमंत्री दावेदार है। कांग्रेस द्वारा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जिससे कांग्रेस का ही मजाक बन गया, कांग्रेस के 3 विधायक इस समय विधानसभा में अनुपस्थित रहे, एक नेता की तबीयत खराब थी, हम समझ सकते है पर बाकी दो नेता क्या अपने नेतृत्व के साथ नहीं थे। उन्होंने कहा कि जनता को भाजपा के नेतृत्व में पूर्ण भरोसा है, जिस प्रकार से हमारी सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है, उससे 2022 में निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार ही आएगी।उन्होंने कहा कि जो पुलिसकर्मियों का मुद्दा है, वह कांग्रेस की कुनीति की उपज है, कांग्रेस शासनकाल में 2015 में पुलिस भर्ती के लिए इस तरह की व्यवस्था की गई थी और अब कांग्रेस अपनी गलतियों का ठीकरा बीजेपी सरकार पर फोड़ रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

तीन वर्षीय बच्चे में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई, वह एसिम्टोमैटिक है और स्वस्थ

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी चिंचवड़ इलाके में हाल ही में डेढ़ साल की बच्ची जो कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित पाई गई थी, संक्रमण से उबरने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि तीन वर्षीय बच्चे में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई थी वह एसिम्टोमैटिक है और स्वस्थ है। पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) क्षेत्र के चार नए मरीजों में यह तीन साल का बच्चा भी शामिल है। इस बच्चे के अलावा तीन अन्य सभी वयस्क हैं। ये सभी भारतीय मूल की महिला और नाइजीरिया से आई उसकी दो बेटियों के संपर्क में आए थे। ये तीनों ही भारत आने पर ओमिक्रॉन संस्करण से संक्रमित पाई गई थीं।

एक अधिकारी ने कहा, पहले पाए गए छह ओमिक्रॉन मरीजों में से डेढ़ साल की बच्ची सहित चार मरीजों का कोरोना टेस्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सूखी खांसी से ग्रसित एक महिला को छोड़कर बच्चे सहित सभी रोगी एसिम्टोमैटिक हैं और ठीक हैं। तीन साल का बच्चा चार नए मरीजों में से है। वह एसिम्टोमैटिक है और बाल चिकित्सा देखभाल में स्वस्थ है। पीसीएमसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मण गोफाने ने कहा कि अन्य तीन मरीज भी एसिम्टोमैटिक हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।

भाजपा को लेकर किसान मोर्चा का रुख किसान नेता राकेश टिकैत ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली । कृषि कानूनों की वापसी और सरकार द्वारा मांगे मान लेने का आश्वासन मिल जाने के बाद राकेश टिकैत का रुख क्या होगा क्या संयुक्त किसान मोर्चा अभी भी भाजपा का विरोध जारी रखेंगे? इस बारे में राकेश टिकैत का कहना है कि उन्हें राज्यों में जाने से रोक पाना असंभव है।गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने किसानों की मांगें मान ली हैं। इस संबंध में लिखित आश्वासन भी दिया जा चुका है। इसके बाद किसान दिल्ली बॉर्डर से अपना डेरा उठाकर जाने लगे हैं। हालांकि यह सवाल अभी भी कायम है कि क्या संयुक्त किसान मोर्चा अब भी भाजपा का विरोध जारी रखेगा? राकेश टिकैत ने इस सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहाकि सरकार से कोई मनमुटाव नहीं है। हालांकि आगे क्या होगा, इस बारे में फैसला नहीं हुआ है। टिकैत ने कहाकि अगर सरकार किसानों की मांग को पूरा नहीं करती है तो हम वापस आंदोलन करेंगे। वहीं यूपी चुनाव के संबंध में उन्होंने कहाकि वह जल्द ही इस बारे में अपने समर्थकों बताएंगे। बता दें कि सुबह टिकैत ने गाजीपुर बॉर्डर से झंडा दिखाकर किसानों के पहले जत्थे को रवाना किया। इस दौरान टिकैत ने कहाकि अगले 48 घंटे में यहां काफी इलाका खाली हो जाएगा। उन्होंने कहाकि हालांकि इलाके को पूरी तरह से खाली होने में कम से कम हफ्ते भर का समय लगेगा। इसके साथ ही टिकैत ने किसानों से अपने खेतों पर ध्यान देने और शांतिपूर्ण ढंग से रहने की बात कही है। संयुक्त किसान मोर्चे की अगली बैठक 15 जनवरी को होगी। इस बीच टिकैत हरियाणा और कुछ अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात करेंगे।

100 करोड़ रुपए की योजना 10 हजार करोड़ रुपए में पूरी हुई अखिलेश की ली चुटकी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में सरयू नहर प्रॉजेक्ट का उद्घाटन करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह परियोजना 50 सालों में पूरी हुई। पीएम ने कहा कि जिस समय इस परियोजना की शुरुआत हुई थी उस समय महज 100 करोड़ रुपए में पूरी हो जाती, लेकिन देरी की वजह से लागत बढ़ती गई और अब इस पर 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने पड़े हैं। पीएम मोदी ने श्रेय लेने की कोशिश करने पर पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुटकी ली और कहा कि हो सकता है कि बचपन में उन्होंने ही फीता काटा हो। पीएम मोदी ने कहा, सार्वजनिक जीवन में मुझे लंबे समय से काम करने का सौभाग्य मिला है। मैंने पहले की कई सरकारें और उनका कामकाज देखा है। इस लंबे कालखंड में मुझे जो सबसे अधिक अखड़ा और जिससे सबसे अधिक पीड़ा हुई, वह है देश के धन, समय और संसाधन का दुरुपयोग, अपमान। सरकारी पैसे हैं तो मुझे क्या, मेरा क्या। यह तो सरकारी है। यह सोच देश के संतुलित और संपूर्ण विकास में सबसे बड़ी रुकावट बन गई है। इसी सोच ने सरयू नहर प्रॉजेक्ट को लटकाया भी, भटकाया भी। आज से करीब 50 साल पहले इस पर काम शुरू हुआ था। आज इसका काम पूरा हुआ है। पीएम ने परियोजना में देरी से लागत बढ़ने का उदाहरण देते हुए कहा, देश के नागरिक, हिन्दुस्तान का हर नागरिक और नौजवान समझे, जब इस परियोजना पर काम शुरू हुआ था तो इसकी लागत 100 करोड़ रुपए से भी कम थी और आज यह लगभग 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करने के बाद पूरी हुई है। यह पैसा किसका था? यह धन किसका था? आपका था कि नहीं? इसके मालिक आप थे कि नहीं? आपकी मेहनत का एक एक रुपया सही से इस्तेमाल होना चाहिए था कि नहीं? जिन्होंने नहीं किया वह आपके गुनहगार हैं कि नहीं? इसे सजा देंगे? उन्होंने आगे कहा, पहले की सरकारों की लापरवाही से देश को 100 गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ी। यदि पिछले 25-30 साल में किसानों के पास यह पानी पहुंचा होता तो वह सोना पैदा करता कि नहीं? दशकों की देरी की वजह से किसानों का अरबों-खरबों का नुकसान हुआ है। सरयू नहर प्रॉजेक्ट को लेकर श्रेय लेने की कोशिश में जुटे पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर नाम लिए बिना निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, जब मैं आज दिल्ली से चला तो सुबह से मैं इंतजार कर रहा था कि कब कोई आएगा और कहेगा कि मोदी जी इस योजना का फीता तो हमने काटा था। यह योजना तो हमने शुरू की थी। कुछ लोग हैं जिन्हें आदत है ऐसा कहने की, हो सकता है बचपन में इसका भी फीता उन्होंने ही काटा हो। कुछ लोगों की प्राथमिकता फीता काटने की है, हमारी प्राथमिकता योजनाओं को समय पर पूरा करने की है।

पोखरण रेंज में स्वदेशी मिसाइल 'SANT' का सफल परीक्षण,

मीलों दूर से दुश्मन के ठिकाने तबाह करने में सक्षम SANT

नई दिल्ली,

भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (**DRDO**) और भारतीय वायु सेना (**IAF**) ने 11 दिसंबर, 2021 को पोखरण रेंज से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित हेलीकॉप्टर लॉन्च स्टैंड आफ एंटी टैंक मिसाइल (**SANT**) का सफल परीक्षण किया। प्रेस सूचना ब्यूरो (**PIB**) के हवाले से दी गई जानकारी के मुताबिक मिसाइल का परीक्षण सभी मायनों में सफल रहा है।

सभी मानकों में सफल

बताया जा रहा है कि स्टैंड आफ एंटी टैंक मिसाइल (**SANT**) अपने सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा करने में सफल है। जिसमें रिलीज मकैनिजम, एडवांस गाइडेंस सिस्टम, ट्रैकिंग एल्गोरिदम, एकीकृत सॉफ्टवेयर के साथ सभी एवियोनिक्स ने संतोषजनक ढंग से प्रदर्शन किया है। भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित यह मिसाइल एक अत्याधुनिक **MMW** तकनीक से लैस है जो सुरक्षित दूरी से दुश्मन के पसीने छुड़ाने में सक्षम है। यह मिसाइल 10 किलोमीटर तक की सीमा में लक्ष्य को नष्ट करने की काबिलियत रखती है।

वायुसेना की ताकत में बढ़ोतरी

SANT मिसाइल को अनुसंधान केंद्र (**RCI**), हैदराबाद के साथ **DRDO** की प्रयोगशालाओं के समन्वय और उद्योगों की भागीदारी के साथ डिजाइन और विकसित किया गया है। भारतीयवायु सेना को और ज्यादा सक्षम बनाते हुए लंबी दूरी मिसाइल और स्मार्ट एंटी एयरफील्ड हथियार के बाद हाल के दिनों में परीक्षण किए जाने वाले स्वदेशी स्टैंड-ऑफ हथियारों की श्रृंखला में यह तीसरी मिसाइल है। उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न विन्यासों का स्वदेशी विकास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और सार्थक कदम है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने **SANT** के सफल परीक्षण के लिए मिशन से जुड़ी टीम को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डा. जी सतीश रेड्डी ने कहा कि **SANT** मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण से स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को और बढ़ावा मिलेगा।

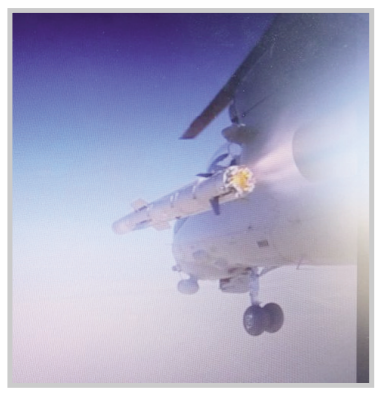

देहरादून में शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड की समीक्षा के अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि जनरल बिपिन रावत एक असाधारण सैन्य नेता थे, और उनकी मृत्यु एक शून्य पैदा करती है जिसे भरा नहीं जा सकता।

बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाने के केंद्र के फैसले को पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली ।

पंजाब सरकार ने बीएसएफ का कार्य अधिकार क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर अंदर तक बढ़ाने के केंद्र के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में ऑरिजनल सूट दाखिल कर चुनौती दी है।याचिका पर केंद्र सरकार अपना पक्ष भी रखेगी। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार ने केंद्र सरकार को अटॉर्नी जनरल के जरिये नोटिस जारी कर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। अब चार हफ्ते बाद ही ये मामला सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगा। सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दाखिल इस मूल वाद में केंद्र सरकार की अधिसूचना को चुनौती दी गई है। बीएसएफ के कार्य और अधिकार क्षेत्र का दायरा बढ़ाने की ये अधिसूचना 11 अक्तूबर को जारी की गई थी। पंजाब सरकार ने केंद्र के इस कदम को संघीय ढांचे पर प्रहार करने और राज्यों के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करने वाला बताया है। केंद्र के इस फैसले का असर पाकिस्तान से लगने वाले इलाके वाले जिलों के 80 फीसदी भूभाग पर पड़ेगा। जबकि संविधान ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस का अधिकार राज्य सूची में रखा यानी ये अधिकार राज्य सरकार को दिया हुआ है। लेकिन यहां इस अधिसूचना के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण बताया है। पंजाब ने कहा है कि इसके लिए केंद्र ने राज्य से सलाह तक नहीं ली। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिद्धू ने कहा है कि वो राज्य सरकार को बधाई देते हैं, जो सबसे पहले इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट लेकर गई है। पंजाब सरकार ने ओरिजनल सूट दाखिल कर केंद्र सरकार के नोटिफिकेशन को अदालत में चुनौती दी है।

सरयू नहर परियोजना लोकार्पण पहले जो सरकार में थे वो माफिया को संरक्षण देते थे आज बुल्डोजर चल रहाः पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9802 हजार करोड़ की लागत से बनी सरयू नहर परियोजना की सौगात दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना को राष्ट्र को समर्पित की, जो 14 लाख हेक्टेयर से अधिक खेतों भूमि को सिंचाई के लिये पानी मिलेगा और क्षेत्र के लगभग 29 लाख किसान लाभान्वित होंगे।सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के निर्माण की कुल लागत 9800 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें से 4600 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान पिछले चार वर्षों में किया गया। परियोजना में पांच नदियों घाघरा, सरयू, रासी, बाणगंगा और रोहिणी को आपस में जोड़ने का भी प्रावधान किया गया है, ताकि क्षेत्र के लिये जल संसाधन का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उपस्थित थे। पहले जो सरकार में थे, वो यहां जमीनों पर अवैध कब्जे करवाते थे। आज ऐसे माफियाओं पर जुर्माना लग रहा है, बुलडोजर चल रहा है।

मोदी सरकार ने राज्यों को पत्र लिखकर कहा, कोरोना को लेकर तत्काल सख्त कदम उठाएं

नई दिल्ली।

देश में फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। ओमिक्रॉन की बढ़ती दहशत के बीच राज्य सरकारों को लगातार चेतावनी दी जा रही है। कोरोना की तीसरी लहर के मंडरा रहे खतरे के बीच मोदी सरकार की तरफ से लिखी गई चिट्ठी में 10 राज्यों के 27 जिलों में बढ़ते कोरोना मामलों पर चिंता जाहिर की गई है। इस चिट्ठी में राज्यों से अपने यहां हालात पर नियंत्रण रखने और एहतियात बरतने की बात कही जा रही है। यह चिट्ठी केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 10 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को चिट्ठी लिखी है। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सचिव और प्रशासनिक अफसरों से उनके यहां बढ़ते कोरोना केसेज के बारे में चेतावनी दी गई है।इन 10 राज्यों के 27 जिलों में पिछले दो हफ्ते के अंदर कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। केंद्र सरकार ने राज्यों से इनकी सख्ती से मॉनीटरिंग करने की जरुरत है। केंद्र ने जो लिस्ट जारी की है, वह दो हिस्सों में है।पहले हिस्से में उन जिलों को शामिल किया गया है जहां पॉजिटिविटी रेट 10 प्रतिशत से ज्यादा है। इसमें तीन राज्यों के आठ जिले शामिल हैं।इन राज्यों के नाम हैं मिजोरम, केरल और सिक्किम। वहीं केरल, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, पुडुचेरी, मणिपुर, पश्चिम बंगाल और नागालैंड के अन्य जिले शामिल हैं, जहां पॉजिटिविटी रेट 5 से 10 फीसदी के बीच है। केंद्र सरकार की तरफ से जारी पत्र में राज्यों को बताया है कि कोरोना को नियंत्रित करने के लिए कौन से कदम उठाए जाने की जरूरत है। इसके तहत चिन्हित इलाकों में कंटेनमेंट जोन बनाने की बात कही गई है। साथ ही कोविड क्लस्टर के साथ-साथ अधिक संख्या में एक जगह लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाने के लिए भी कहा गया है। साथ ही शादी समारोहों और अंतिम संस्कार के वक्त लोगों की संख्या तय करने संबंधी दिशानिर्देश देने की बात भी पत्र में कही गई है।

राहुल गांधी का आरोप, भाजपा का असली नारा, छवि बचाओ, फोटो छपवाओ!"

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 'साल 2016 से 2019 दौरान आवंटित राशि में करीब 80 प्रतिशत मीडिया प्रचार पर खर्च होने का उल्लेख करने वाली संसदीय समिति की रिपोर्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि 'छवि बचाओ, फोटो छपवाओ' ही भाजपा का असली नारा है। उन्होंने संसदीय समिति की रिपोर्ट से जुड़ी खबर का हवाला देकर ट्वीट किया,भाजपा का असली नारा, छवि बचाओ, फोटो छपवाओ!'' गौरतलब है कि लोकसभा में गुरुवार को पेश 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के विशेष संदर्भ में शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर महिलाओं को शक्तियां प्रदान करने संबंधी भाजपा सांसद हीना गावित की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट में कहा गया है,समिति को यह बात भी देखने को मिल रहा है कि 2016 से 2019 की अवधि के दौरान जारी की गई 446.72 करोड़ रूपये में मीडिया प्रचार पर 78.91 प्रतिशत राशि खर्च हुई, यह देखकर समिति बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं है।योजना के तहत 2014-15 में शुरूआत के बाद से कोविड प्रभावित वर्ष को छोड़कर अब तक आवंटित राशि का राज्यों द्वारा केवल 25.15 प्रतिशत खर्च करने को ''दुखद बताकर कहा है कि यह उनके खराब '''कार्य निष्पादन'' को प्रदर्शित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014-15 में योजना की शुरूआत के बाद से कोविड वाले वर्ष 2019-20 और 2020-21 को छोड़कर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' (बीबीबीपी) योजना के तहत कुल आवंटन 848 करोड़ रूपये था और उक्त अवधि में राज्यों को 622.48 करोड़ रूपये जारी किये गए थे।

80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन होली के बाद तक

पीएमओ की ओर से दी गई जानकारी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन वितरण को होली से आगे बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से इसकी जानकारी दी गई।पीएमओ की ओर से जारी बयान में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, कोरोना काल में हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है कि कोई गरीब भूखा ना सोए। इसकारण पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल रहे मुफ्त राशन के अभियान को होली से आगे तक बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बीते 24 नंवबर को हुई कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना यानी पीएमजीकेएवाई को मार्च 2022 तक बढ़ाने की मंजूरी दी गई थी, जिसके मुताबिक इस योजना के तहत मार्च 2022 तक लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह 5 किलो मुफ्त गेहूं/चावल के साथ-साथ 1 किलो मुफ्त साबुत चना प्रत्येक परिवार को मिलाता है।पीएमजीकेएवाई के तहत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत 80 करोड़ राशन कार्डधारकों को मुफ्त राशन की आपूर्ति करती है। राशन की दुकानों के माध्यम से उन्हें सब्सिडी वाले अनाज के अतिरिक्त मुफ्त राशन दिया जाता है।पीएमजीकेएवाई की घोषणा मार्च, 2020 में कोविड-19 के कारण उत्पन्न संकट को दूर करने के लिए की गई थी।प्रारंभ में, यह योजना अप्रैल-जून 2020 के तीन माह की अवधि के लिए शुरू की गई थी, लेकिन बाद में संकट के जारी रहने पर योजना का विस्तार पांच और माह (जुलाई-नवंबर 2020) तक के लिए किया गया था। वहीं कोरोना की दूसरी लहर के शुरू होने पर पीएमजीकेएवाई को फिर से दो महीने (मई-जून2021) के लिए लागू किया गया और बाद इसका पांच महीने (जुलाई-नवंबर 2021) तक विस्तार किया गया।फिर से इस योजना का विस्तार मार्च 2022 तक कर दिया गया है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com